तापमान

अधिकतम 11.0 डिग्री
न्यूनतम 6.8 डिग्री

हरिभूमि

हिसार भूमि

रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

11 महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं में नरानी दौड़ी सबसे तेज

12 पीएम मोदी ने किसान निधि की शुरुआत कर बढ़ाया किसानों का सम्मान: कैप्टन अभिमन्यु

खबर संक्षेप

नियम की अवहेलना करने वालों पर होगी कार्रवाई

हिसार। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने कहा है कि हाइवे पर अधिकतर दुर्घटनाएं गलत लेन पर चलने वाले भारी वाहनों की वजह से होती हैं। पुलिस द्वारा लेन ड्राइविंग के नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज की जाएगी।

आभूषण व नकदी चोरी तीन आरोपी गिरफ्तार

हिसार। पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने गांव सीसवाला से आभूषण और नकदी चोरी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें राजस्थान के सिधमुख निवासी सुभाष, बुड़ाक में रह रहे बरनाला निवासी करमजीत व कमलजीत शामिल है।

रुपये और अंगूठी लूटने के मामले में दो काबू

हिसार। अर्बन एस्टेट चौकी पुलिस ने पेलेडियम स्कूल के पास एक व्यक्ति से अंगूठी और रुपए लूटने के मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनमें पटेल नगर निवासी प्रदीप और सनी उर्फ मोगली शामिल है।

बैटरी व वायरिंग चोरी करने वाला गिरफ्तार

हिसार। अनाज मंडी चौकी पुलिस ने सिरसा रोड स्थित गैराज से बैटरी, अल्टीनेटर और वायरिंग चोरी के मामले में विकास नगर निवासी विशाल को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे अदालत में पेश करके चोरीशुदा सामान की बरामदगी के लिए दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का अभिनंदन आज

हिसार। भाजपा नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया एवं प्रदेश सचिव कैप्टन भूपेन्द्र का भाजपा जिला कार्यालय में सात जनवरी को अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। इसी दौरान पार्टी की नवनियुक्त जिलाध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ अपना कार्यभार ग्रहण करेंगी। भाजपा जिला मीडिया प्रमुख राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि रविवार को नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री सुरेन्द्र पूनिया व प्रदेश सचिव कैप्टन भूपेन्द्र का अभिनंदन किया जाएगा।

हिसार के अधिकतम और न्यूनतम पारे में महज 4.2 डिग्री सेल्सियस का रहा अंतर

खून जमा देने वाली ठंड से जनजीवन अस्त-व्यस्त

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हिसार और आसपास के एरिया में जबरदस्त ठंड के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात यह है कि दिन और रात के तापमान में कोई खास अंतर नहीं रह गया है। दिनभर चलने वाली शीत लहरों ने लोगों की कंपकंपी छुड़वाई हुई है।

- दिनभर आसमान से गिरती रही ओस रूपी बूंदें

लगातार दूसरे दिन भी सूर्य के दर्शन नहीं होने से लोगों को ठंड से कोई राहत नहीं है। उत्तर-पश्चिमी बर्फीली हवाओं ने लोगों को घरों में दुबकने का मजबूर कर दिया है। इसके अलावा लोगों को ठंड से बचाने के लिए अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है। सुबह और शाम के समय ओस रूपी बूंदें आसमान से गिरती रही।

उधर, बाहरी क्षेत्रों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों में धुंध तो कम थी लेकिन ठंड में कोई कमी नहीं दिखी। जिले के साथ लगता बालसमंद गांव हिसार से भी ज्यादा ठंडा रहा। हिसार का न्यूनतम पारा 6.8 रहा, जबकि बालसमंद को 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हिसार का अधिकतम पारा 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों माने तो अभी ठंड से राहत की उम्मीद नहीं है। रविवार की रात्रि से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम बदलने की संभावना है।

हिसार। सर्दी से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते लोग।

हिसार के तापमान की स्थिति

तारीख	न्यूनतम	अधिकतम
29 दिसंबर	14.5	8.2
30 दिसंबर	14.6	7.7
31 दिसंबर	13.2	9.0
1 जनवरी	12.0	8.3
2 जनवरी	10.5	7.2
3 जनवरी	12.0	7.4
4 जनवरी	12.0	4.0
5 जनवरी	11.4	7.5
6 जनवरी	11.0	6.8

तापमान डिग्री सेल्सियस में

12 डिग्री सेल्सियस से ऊपर नहीं चढ़ा पारा

नववर्ष में अभी तक दो ही दिन सूर्य के दर्शन हुए हैं। चार व पांच जनवरी को सूर्य कुछ मिनटों के लिए जरूर दिखाई दिए, लेकिन ठंड से राहत नहीं मिली। लगातार सूर्य के नहीं निकलने से दिन के पारे में ठहराव आया हुआ है। जनवरी माह के शुरुआती छह दिनों में अधिकतम पारा 12 डिग्री सेल्सियस को ही छू पाया है।

मौसम का सब्जियों पर प्रतिकूल असर

लगातार ठंड पड़ने के कारण सब्जियों की फसलों पर प्रतिकूल असर पड़ने लगा है। दूसरी तरफ आसमान से गिर रही ओस की बूंदों से गेहूं की फसल लहलहाने लगी है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान मौसम गेहूं के अनुकूल है और गेहूं की बढ़वार तेज हुई है।

रविवार रात्रि में मौसम में बदलाव की उम्मीद

हकृवि के कृषि मौसम विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ के अनुसार प्रदेश में मौसम आमतौर पर 8 जनवरी तक खुश्क रहने की संभावना है। इस दौरान हल्की गति से उत्तरपश्चिमी शीत हवाएं चलने की संभावना है जिससे राज्य में दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी रहने परंतु रात्रि तापमान में हल्की गिरावट होने की संभावना है परंतु इस दौरान ज्यादातर क्षेत्रों अलसुबह धुंध रहने की संभावना है। डॉ. खीचड़ के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 8 जनवरी रात्रि से मौसम में बदलाव होने की संभावना है जिससे 9 व 10 जनवरी को राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में बदलवाई तथा हवाएं व गरज चमक के साथ कहीं कहीं बूंदाबांदी या हल्की बारिश की संभावना है।

हिसार। नगर निगम प्रशासन द्वारा रोडवेज बस में बनाया गया अस्थाई रैन बसेरा।

एसडीएम ने रैन बसेरों का किया औचक निरीक्षण

हिसार। उपायुक्त उत्तम सिंह के आदेशानुसार जिला प्रशासन एवं रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा गरीब व जरूरतमंद व्यक्तियों को सभी रैन बसेरों में

- रैन बसेरों में जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल किए गए वितरित

आवश्यकता अनुसार एसडीएम जयवीर यादव द्वारा कंबल वितरित किए गए। एसडीएम जयवीर यादव ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य ठंड व शीतलहर के चलते जरूरतमंद, गरीब एवं बेसहारा लोगों की मदद करना है। उन्हें सर्दी से राहत पहुंचाना है, जिसके लिए प्रशासन सजग एवं सतर्क है। इसी कड़ी में ठंड और शीतलहर के मद्देनजर रात को रैन बसेरों का दौरा कर रैन बसेरा में रहने वाले व्यक्तियों के लिए आवश्यकतानुसार कंबल वितरित किए। प्रशासन की ओर से कड़ाके की सर्दी के दृष्टिगत जो लोग बिना छत खुले में सोते हुए मिले उन्हें रैन बसेरे में लाकर सुलाने का कार्य किया जा रहा है। एसडीएम ने कहा कि सर्दी के कारण से किसी की जान न जाए। कोई भी व्यक्ति खुले में सोता हुआ नहीं पाया जाना चाहिए और न ही कोई बेसहारा व्यक्ति ठंड से ठिठुरने पाएं, इसलिए उन्हें आवश्यकता अनुसार कंबल प्रदान किए जाएं।

जिला मुख्यालय पर पक्का मोर्चा जारी

- किसानों ने 72 गांवों के किसानों को बकाया फसल बीमा क्लेम देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

संयुक्त किसान मोर्चा का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता सुबेदार रणबीर मलिक ने की और संचालन अनिल बैदा व राजीव मालिक ने संयुक्त रूप से किया। धरने को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि 2022 का 72 गावों का बकाया फसल बीमा क्लेम तुरंत प्रभाव से जारी किया जाए, 2022 व 23 का प्रीमियम फसल रिफंड की गई बीमा पॉलिसी केसों का फसल बीमा क्लेम मंजूर किया जाए, जलभराव, गुलाबी सुंडी सूखे की वजह से बर्बाद हुई फसल का वर्ष 2020, 21, 2022 का बकाया मुआवजा तुरंत प्रभाव से जारी हो और 2023 का फसल मुआवजा जारी किया जाए, नकली खाद बीज व दवाइयों पर रोक लगे, खाद, बीज की उपलब्धता समय पर सुनिश्चित किया जाए। शमशेर सिंह नंबरदार ने कहा कि इस कड़ाके की ठंड में किसान दिन-रात खुले आकाश के नीचे ठिठुरती ठंड में डेरा डाले हुए है। परन्तु प्रशासन व सरकार किसानों की मांगों का हल करने की बजाय आनाकानी कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक सभी मांगें पूरी नहीं हो जाती हमारा अनिश्चित कालीन धरना जारी रहेगा।

धरने पर सुबेसिंह बूरा, सरदानन्द राजली,मा. सतबीर गड़वाल, मुकेश मालिक, दशरथ मलिक, हर्षदीप सिंह गिल, कैलाश मलिक, राजू सहरावत, कृष्ण देपल, ईश्वर ग्रेवाल, राजपाल रापड़िया, कमला देवी, मांगे राम उमरा, सतबीर रोहिल, प्रेम खरड़ आदि शामिल रहे।

हिसार। ठंड में प्रदर्शन करते संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भारत का गौरव तथा हरियाणा का सम्मान है पवित्र गीता ग्रंथ : स्वामी ज्ञानानंद महाराज

- गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज तथा विधायक ने हांसी में किया श्री गीता चौक का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने कहा कि श्रीमद् भागवत गीता ग्रंथ भारत का गौरव तथा हरियाणा का सम्मान है। इस पवित्र ग्रंथ में मानव की हर समस्या का समाधान निहित है। इसलिए हर व्यक्ति को गीता ज्ञान रूपी अमृत पान करके जीवन को सुखद बनाना चाहिए। स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने यह विचार हांसी में श्री गीता चौक का लोकार्पण करने के बाद उद्घाटन समारोह में उपस्थित विशाल जन समूह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि इस आधुनिक युग में विज्ञान ने खूब तरक्की की है लेकिन आज अनेक ऐसी समस्याएं व सवाल है जिनका समाधान व उत्तर वैज्ञानिकों के पास भी नहीं है। विश्व को अगर किसी समस्या का स्थाई समाधान ढूंढना है तो श्रीमद् भागवत गीता को न केवल पढ़ना होगा बल्कि इसके ज्ञान को व्यावहारिक रूप से जीवन में अपनाना ही होगा। श्री गीता चौक के बनने से हांसी का गौरव और बढ़ेगा तथा निश्चित रूप हर व्यक्ति के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

ये रहे उपस्थित

मौके पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष वेद प्रकाश यादव, एसडीएम मोहित महराणा, नगर परिषद के उप प्रधान अनिल बंसल ,सरपंच संगठन के प्रधान प्रदीप लादी, ब्लॉक समिति प्रधान प्रतिनिधि संजय महला, भाजपा जिला महामंत्री धर्मवीर रतेरिया भाजपा के मंडल अध्यक्ष अशोक ढालिया, नरेंद्र आदि मौजूद रहे।

हांसी। श्री गीता चौक का लोकार्पण करते स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज व स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज को स्मृति चिन्ह प्रदान करते विधायक विनोद भ्याणा।

श्रीलंका में मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद ने कहा कि आज से लगभग 5000 साल पहले भगवान श्री कृष्ण ने कुरुक्षेत्र में अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। गीता में निहित ज्ञान का डंका आज पूरी दुनिया में बज रहा है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष पूरे देश में बहुत ही उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव आयोजित किया जाता है। इस महोत्सव में पार्टनर के तौर पर एक देश तथा एक राज्य को शामिल किया जाता है। इस वर्ष आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में श्रीलंका देश तथा असम प्रांत पार्टनर के रूप में शामिल हुए थे। श्रीलंका सरकार के आग्रह पर अगला गीता जयंती महोत्सव श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा।

गीता ज्ञान अमृत समान

विधायक विनोद भयाना ने कहा कि गीता ज्ञान अमृत के समान है। जो व्यक्ति नियमित रूप से गीता पाठ करता है उसके जीवन में कभी भी समस्याएं नहीं ठहर सकती। क्योंकि दुर्भावनाओं को सद्भावनाओं में बदलने का नाम है श्रीमद् भागवत गीता। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि वह सुखद जीवन जीने के लिए पवित्र ग्रंथ गीता के ज्ञान को जीवन में अपनाये। उन्होंने गीता चौक का निर्माण करवाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद किया। विधायक ने गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज को श्री गीता चौक का चित्र समृद्धि चिन्ह के रूप में भेंट किया। मौके पर श्री गीता चौक निर्माण कार्य में सराहनीय कार्य करने वाले भवन एवं सड़क निर्माण विभाग के अधिकारियों को सम्मानित भी किया गया।

नारनौंद। पत्रकारों से बातचीत करते हुए संगठन के सदस्य मनोज लांबा व अन्य। फोटो: हरिभूमि

खेत की मिट्टी को माइनिंग से अलग करने की मांग

नारनौंद। पिछले काफी महीनों से खेत की मिट्टी को माइनिंग से अलग करवाने के लिए ऑल हरियाणा अर्थ मूवर्स संगठन की तरफ से सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा रही है। इसी कड़ी में रविवार को जींद के एकल्व स्टेडियम में बड़ा महासम्मेलन होगा। सरकार के खिलाफ आर पार की लड़ाई लड़ने का ऐलान भी किया जाएगा। यह बात संगठन के सचिव आनंद, मनोज लांबा, अशोक, राममेहर धनखड़, वजीर कुंडू, राजू रामपुरा ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने बताया कि किसानों के खेत ज्यादा ऊंचे होने के कारण उन्हें पानी की सिंचाई नहीं हो पाती और किसानों को मिट्टी उठानी पड़ती है। जब भी कोई मिट्टी को खेतों से उठाते हैं तो माइनिंग विभाग से अधिकारी लाखों रुपये के चालान कर देते हैं। जिसको लेकर प्रदेश की जनता काफी परेशान है। संगठन की मांग है कि खेत की मिट्टी को माइनिंग से अलग किया जाए।

लापरवाही स्ट्रीट लाइट रिपेयर का टेंडर खत्म होने में दो महीने शेष, अधिकांश लाइट ठीक नहीं कर पाया ठेकेदार

स्ट्रीट लाइटों के लिए हर माह किया जाता है पौने तीन लाख रुपये का भुगतान

परिषद के अधिकारी ठेकेदार पर मेहरबान लाखों खर्च करने के बाद भी जनता परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

शहर में रात को सड़कों को रोशन करने के लिए मौजूदा टेंडर के अनुसार करीब 26 लाख रुपये का स्ट्रीट लाइट का बिल ठेकेदार के द्वारा बनाया गया है। वहीं परिषद के ओर से अभी तक करीब 9 लाख रुपये का भुगतान भी कर दिया गया है। परंतु इसके बावजूद भी रात के समय अधिकांश एरिया में लाइटें बंद नजर आती है तो कई एरिया में तो दिन के समय भी लाइटें जलती रहती है। ऐसे में लाखों खर्च करने के बाद भी प्रशासन द्वारा न तो ठेकेदार के खिलाफ कोई एक्शन लिया जा रहा है और न ही परिषद के अधिकारियों से जवाब तलब किया जा रहा है।

शहर की जनता से टैक्स के रूप में लिया जाने वाला पैसे परिषद के अधिकारियों द्वारा ठेकेदार को सुविधाओं के लिए तो दिया जा रहा है परंतु जनता को इसका कोई लाभ तक नहीं मिल पा रहा है।

शहर में कई ऐसी सड़कें है जहां दिन में भी स्ट्रीट लाइटें जलती है। ऐसे में ठेकेदार की लापरवाही के कारण जहां परिषद को बिजली बिल के ज्यादा पैसों का भुगतान करना पड़ रहा है तो वहीं कई एरिया में लाइट न जलने से घरों में होने वाली चोरियों के रूप में जनता को इसका खामियाजा उठाना पड़ रहा है। टेंडर खत्म होने को आया है और कई एरिया में तो ठेकेदार द्वारा अभी तक टाइमर भी नहीं लगाया गया है। शहर में अधिकांश स्ट्रीट लाइटों के पोल हादसों को न्यौत दे रहे हैं। अधिकांश स्ट्रीट लाइटों के पोल पर बिजली के तार खुले पड़े हैं। जहां कभी भी कोई हादसा हो सकता है। परंतु परिषद को केवल लाखों रुपये के भुगतान के अलावा कुछ नजर नहीं आ रहा है।

हांसी। एसडीएम आवास के सामने दिन में जलती स्ट्रीट लाइटें। फोटो: हरिभूमि

डीएमसी के आदेशों की भी नहीं कोई परवाह

नगर परिषद के अधिकारियों पर आला अधिकारियों के निर्देश भी बेअसर साबित हो रहें हैं। शहर में दिन के उजाले में जलती जिन स्ट्रीट लाइटों को लेकर डीएसमी ने पिछले महीने रिपोर्ट तलब की थी वो स्ट्रीट लाइटें आज भी दिन के उजाले में जगमग हैं। इस स्थिति से स्पष्ट है कि परिषद अधिकारियों पर आला अधिकारियों के आदेश भी बेअसर हैं और कार्रवाई का कोई खौफ नजर नहीं आता। बीते 8 दिसंबर को डीएसमी ने हांसी का दौरा किया था और उन्होंने शहर में दिन के समय जलती हुई स्ट्रीट लाइटों को लेकर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुआ लिखित में जवाब मांगा था। परिषद के अधिकारी चंद मिनटों बाद ही डीएमसी की फटकार को भूल गए और आज तक उनके दिए गए आदेशों पर अमल नही हो सका।

37 लाख में दिया गया है टेंडर

मार्च 2023 को परिषद की ओर से स्ट्रीट लाइटों के रिपेयर का टेंडर दिया गया था। यह टेंडर करीबन साढ़े 37 लाख में दिया गया है। पहले लाइट रिपेयरिंग का टेंडर करीब 49 लाख रुपये में बंसल कांट्रेक्टर को ही दिया गया था। शहर में स्ट्रीट लाइट ठीक करने के लिए परिषद द्वारा प्रत्येक प्वाइंट के लिए ठेकेदार को 26.90 के हिसाब से भुगतान किया जाता है। शहर में करीब 10642 प्वाइंट है। जिसके लिए हर महीने 28 लाख 62 हजार 269 का ठेकेदार को भुगतान किया जा रहा है। शहर की स्ट्रीट लाइट व्यवस्था पिछले कई महीनों से बदहाल होने के कारण लोगों को रात में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शहर के बाजार में अंधेरा होते ही सुनसान हो जाते हैं, गलियां सुनी हो जाती हैं। यानी पूरा शहर रात्रि को अंधेरे में डूबा हुआ है। वहीं शहर के समाधा रोड, चारकुतुब, एसडीएम आवास वाली सड़क, काली देवी चौक से कचहरी चौक सहित कई ऐसी गलियां है जहां दिन मे भी स्ट्रीट लाइटें बंद नहीं की जाती।

ठेकेदार को करेंगे भुगतान

केवल ठीक लाइटों का ही ठेकेदार को भुगतान किया जाएगा। जितने दिन लाइटें खराब रही उनका कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। अभी तक करीब 9 लाख रुपये का ही भुगतान किया गया है।

-जयवीर डूडी, कार्यकारी अभियंता, नगर परिषद हांसी

ग्राम सचिव की संदिग्ध मौत मामले में बहल के सरपंच व थानेदार पर कार्रवाई की मांग

- आर्यनगर निवासी ग्राम सचिव की संदिग्ध मौत मामले में विवाद गहराया
- परिजनों ने किया शव का दाह संस्कार करने से इनकार

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

नजदीकी गांव आर्यनगर में संदिग्ध हालत में हुई ग्राम सचिव रामप्रसाद की मौत मामले में परिजनों ने बहल पुलिस व सरपंच गिरफ्तारी की मांग की है। परिजनों ने गिरफ्तारी न होने तक शव लेने से मना कर दिया है।

बताया जा रहा है कि नजदीकी गांव आर्यनगर में लगभग 51 वर्षीय ग्राम सचिव की संदिग्ध हालत में घर की दूसरी मंजिल से गिरने से मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि पुलिस ने उसे धक्का दिया है जबकि पुलिस इन आरोपों से इनकार कर रही है।

बताया जा रहा है कि छत से गिरने के बाद पुलिसकर्मी ग्राम सचिव रामप्रसाद को निजी अस्पताल में लेकर गए जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पूरी घटना घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है। शुक्रवार देर सायं हुई इस घटना की सूचना मिलने पर हिसार से पुलिस अधिकारी पहुंचे और मामले की जांच शुरू की।

मृतक के शव को नागरिक अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया है। बताया जा रहा है कि मृतक का बेटा विदेश में रहता है, वहां से आने के बाद ही आगामी कार्रवाई की जाएगी। मृतक के परिजनों का कहना है कि जब तक आरोपी पुलिस कर्मचारियों व बहल गांव के सरपंच पर कार्रवाई नहीं होगी, वे दाह संस्कार नहीं करेंगे। उधर, बहल थाना प्रभारी का कहना है कि रामप्रसाद अचानक गिर गया था। उसे घायल हालत में पुलिस कर्मचारी अस्पताल ला रहे थे। पुलिस कर्मियों द्वारा रामप्रसाद को अस्पताल लाने की घटना सीसीटीवी में कैद हुई है।

ग्राम सचिव था भिवानी जिले में तैनात

बताया जा रहा है कि आर्यनगर निवासी राम प्रसाद ग्राम सचिव के पद पर भिवानी जिले के गांव बहल में कार्यरत था। पंचायत के खाते से निकले पैसे से संबंधित रिकार्ड न देने के मामले में बहल थाना पुलिस ने तीन जनवरी को रामप्रसाद पर केस दर्ज करके उसे हिरासत में लिया था। शुक्रवार देर शाम रामप्रसाद को बहल थाना के एसएचओ सहित चार पुलिसकर्मी घर लेकर पहुंचे थे।

मकान की दूसरी मंजिल पर चले गए पुलिसकर्मी

मृतक के भाई का आरोप है कि पुलिसकर्मी उसके भाई को गांव में लेकर आए थे। उसे रामप्रसाद के घर ना ले जाकर उसके साथ लगते उसके मकान में ले गई। इस दौरान पुलिस ने कहा कि रामप्रसाद से जरूरी बात करनी है, वह उनके साथ न आए। इसके बाद पुलिसकर्मी और रामप्रसाद उसके मकान की दूसरी मंजिल पर चले गए और वह गली में खड़ा हो गया। लगभग तीन मिनट बाद देखा तो पुलिस कर्मी और रामप्रसाद घर की दूसरी मंजिल पर खड़े थे। तभी अचानक उसका भाई रामप्रसाद नीचे आकर गिरा। रामप्रसाद के भतीजे मनदीप का कहना है कि लगभग 25 फुट ऊंचाई से गिरने के बाद पुलिसकर्मी दौड़कर नीचे आए। उसके चाचा रामप्रसाद को लेकर वे निजी अस्पताल में गए, जहां उनकी मौत हो गई।

शेयर खरीदने के बाद रहें बेफिक्र
भाव गिरे तब भी फायदे में रहोगे

हर सौदे में नुकसान से बचने के लिए हेजिंग करना जरूरी ● स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी ● यह आपको बड़े नुकसान से बचाने में हर हाल में सक्षम ● शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन होता है ● फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी भी ● इसकी अवधि एक माह तक हो सकती है ● आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को नुकसान से बचा सकते हैं

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में पैसा लगाते वक्त एक डर हमेशा निवेशकों के मन में रहता है कि कहीं स्टॉक गिर तो नहीं जाएगा। यह चिंता बड़े निवेशकों को बहुत रहती है, क्योंकि जो व्यक्ति बाजार में 10 लाख, 1 करोड़ या उससे ज्यादा पैसा लगाता है तो शेयरों में गिरावट होने का डर लाजिमी है, लेकिन, शेयरों में करोड़ों रुपये लगाने वाले इन्वेस्टर्स नुकसान से बचने के लिए बीमा भी करा लेते हैं। आप सोचेंगे कि शेयर खरीदने पर कौन-सा इंश्योरेंस होता है हमने तो आज तक नहीं सुना। आपने नहीं सुना इसका यह मतलब नहीं है कि ऐसा नहीं होता है। चूंकि शेयरों में पैसा लगाना बाजार जोखिमों के अधीन है और जहां रिस्क है वहां खुद को सिक्योर करना बहुत जरूरी है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए शेयर बाजार में फ्यूचर एंड ऑप्शन के कॉन्सेप्ट को लाया गया है, जिन्हें हेजिंग टूल कहा जाता है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएं कि कि एफ एंड ओ यानि फ्यूचर एंड ऑप्शन क्या है। इसके क्या लाभ हैं। यह कैसे शेयर का भाव गिरने पर भी नुकसान नहीं होन देता।

जरा सोचिये, 13 लाख रुपये कितनी बड़ी रकम होती है और वह हम ऐसे बाजार में रखते हैं जहां रिस्क और रिवॉर्ड दोनों मिलते हैं। जिस तरह हम महंगी गाड़ी खरीदने पर इंश्योरेंस कराते हैं और कीमती जेवरों की सुरक्षा के लिए उन्हें लॉकर में रखते हैं, इन दोनों कामों के लिए हमें प्रीमियम या किराया देना होता है। ठीक उसी तरह फ्यूचर एंड ऑप्शन में प्रीमियम अदा करके अपनी 13 लाख रुपये की पॉजिशन को हेज कर सकते हैं।

क्या होती है हेजिंग

बाजार के जानकारों का कहना है कि स्टॉक मार्केट में हेजिंग का मतलब रिस्क मैनेजमेंट स्ट्रेटेजी यानी जोखिम प्रबंधन रणनीति है। इसका इस्तेमाल निवेशकों द्वारा शेयरों की कीमत में होने वाले से संभावित नुकसान को कम करने के लिए किया जाता है। हेजिंग की सुविधा शेयर, बॉन्ड, कमोडिटी और करेंसी सभी मार्केट में उपलब्ध है। इसे असानी से लिया जा सकता है। इसके कई प्रकार के लाभ होते हैं।

जोखिम से बचाने वाला बीमा

मान लीजिये आपने बहुत रिसर्च करके कोई शेयर खरीदा और आप आश्वस्त हैं कि आने वाले दिनों में शेयर का भाव बढ़ेगा, लेकिन, बाजार में इसकी कोई गारंटी नहीं होती है। एक बुरी खबर से शेयर औंधे मुंह गिर जाते हैं। ऐसे में अपनी पॉजिशन को हेज करना बहुत जरूरी है। मान लीजिये आप कोई भी स्टॉक खरीदते हैं, जिसका भाव 130 रुपये है। अगर आपने 130 के भाव से 10,000 शेयर खरीदे यानी कुल 13 लाख रुपये का निवेश किया।

आसानी के कर सकते हैं

फ्यूचर एंड ऑप्शन में पुट या कॉल ऑप्शन खरीद या बेचकर कैश मार्केट की पॉजिशन को आसानी से हेज किया जा सकता है। हालांकि, कॉल और पुट खरीदने में सिर्फ प्रीमियम देना होता है जो काफी कम होता है, जबकि सेल करने के लिए मार्जिन लगता है जो काफी ज्यादा होता है। इसलिए निवेशक कम पैसे में अपने निवेश किए गए रुपयों को आसानी से हेज कर सकते हैं और होने वाले नुकसान से बच सकते हैं।

यह भी कर सकते हैं

निवेशकों ने जिस स्टॉक के लिए 130 के भाव पर 10,000 शेयर खरीदे हैं। अगर शेयर गिरा तो नुकसान से बचने के लिए आप इस स्टॉक के 130 रुपये की स्ट्राइक प्राइस का पुट ऑप्शन खरीद सकते हैं, जिसका भाव इस बाजार तक 4 रुपये तक चल रहा है और इसका लॉट साइज 10,000 है। आपको 40,000 रुपये का प्रीमियम देना होगा। यानी 13 लाख की कैश पॉजिशन में होने वाले नुकसान से बचने के लिए आपने 40,000 में पुट ऑप्शन खरीद लिया।

ऐसे होता है प्रॉफिट

अब आप देखिये कैश पॉजिशन में 1 लाख का प्रॉफिट होता है और पुट ऑप्शन में 40,000 का नुकसान भी हो जाए तो भी आप 60,000 के मुनाफे में रहेंगे। वहीं, अगर शेयर का भाव गिरकर 120 रुपये आ जाता है तो पुट ऑप्शन का प्रीमियम बढ़ेगा। ऐसे में कैश पॉजिशन में आपको 1 लाख का नुकसान होगा। वहीं, पुट का प्रीमियम बढ़कर 4 रुपये से बढ़कर 14 रुपये पहुंच जाता है तो यहां आपको 1 लाख रुपये का प्रॉफिट होगा यानी कैश पॉजिशन में 1 लाख का नुकसान और पुट ऑप्शन में 1 लाख का प्रॉफिट होने पर 'नो लॉस नो प्रॉफिट' रहेगा। अगर पुट का प्रीमियम 14 से बढ़कर 16 रुपये हुआ तो उल्टा आप 20,000 के प्रॉफिट में रहेंगे। हालांकि, फ्यूचर एंड ऑप्शन के जरिए हेजिंग करने के लिए शेयरों की चाल पर नजर रखना बहुत जरूरी है, जिस दिशा में शेयर बढ़े उसके हिसाब से पॉजिशन को काटना जरूरी है, ताकि ज्यादा से ज्यादा मुनाफा हासिल किया जा सके। बता दें कि फ्यूचर एंड ऑप्शन में कॉल और पुट की एक्सपायरी होती है, जिसकी अवधि एक माह होती है। आप हर माह अपनी कैश पॉजिशन को हेजिंग के जरिए नुकसान से बचा सकते हैं।

एक दो नहीं, बल्कि 5 तरह की होती हैं एसआईपी

बिजनेस डेस्क

बिजनेस डेस्क। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह जानना बेहद जरूरी है कि एसआईपी कितने प्रकार की होती है, एसआईपी के बार में सुना तो लगभग सभी ने होगा, लेकिन यह बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। बाजार के जानकारों का कहना है कि एसआईपी करीब पांच प्रकार की होती है। इसमें निवेश करना बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आपको 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देकर मालामाल करने में सक्षम होती है। जब कभी बात निवेश की आती है तो आपने अक्सर लोगों को ये सुझाव देते सुना होगा कि एसआईपी शुरू कर लो। एसआईपी यानी सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान। इसके तहत आप हर महीने एक तय रकम किसी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। हालांकि, ये बात कम ही लोग जानते हैं कि एसआईपी भी कई तरह की होती है। आइए जानते हैं कितनी तरह की होती है एसआईपी और कैसे करती है काम।

क्षमता के हिसाब से निवेश कर कमा सकते हैं अच्छा पैसा

एसआईपी 10 से 30 फीसदी तक का रिटर्न देने में सक्षम

सालाना आधार पर एसआईपी की रकम को बढ़ाते जाएं

1. रेगुलर एसआईपी

सबसे पहली है रेगुलर एसआईपी, जिसके तहत आप हर महीने एक तय रकम निवेश करते हैं। यह आप हर महीने, तिमाही या छमाही आधार पर कर सकते हैं। आपके पास ये विकल्प होता है कि आप तारीख खुद से चुन सकते हैं।

2. स्टेप-अप एसआईपी

इस एसआईपी के तहत आपको एक तय अवधि में एसआईपी को बढ़ाने की सुविधा मिलती है। जैसे सालाना आधार पर आप एसआईपी की रकम को बढ़ा सकते हैं। मान लीजिए कि आप हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करते हैं, तो इसके तहत आप उसे

हर साल 10 फीसदी या 5 फीसदी जो भी आप चाहे उस दर से बढ़ा सकते हैं. इसके तहत आपका निवेश ऑटोमेटिक तरीके से बढ़ता चला जाता है।

3. फ्लेक्सिबल एसआईपी

इसके बाद नंबर आता है फ्लेक्सिबल एसआईपी का, जिसके तहत आप अपनी एसआईपी में कुछ बदलाव कर सकते हैं। उदाहरण के लिए आप एसआईपी की रकम बढ़ा सकते हैं या घटा सकते हैं। हालांकि, अगर आप ऐसा कुछ करना चाहते हैं तो इसके लिए आपको अपने फंड हाउस को एसआईपी कटने की तारीख से करीब हफ्ते भर पहले बताना होगा।

4. ट्रिगर एसआईपी

यह सबसे दिलचस्प एसआईपी है। इसमें आप पैसे, समय और वैल्युएशन के आधार पर तय कर सकते हैं कि कब एसआईपी ट्रिगर होगी। आप इसके लिए पहले से ही कंडीशन लगा सकते हैं। जैसे अगर कीमत के आधार पर बात करें तो आप कंडीशन लगा सकते हैं कि जब एनएवी 1000 रुपये से अधिक हो जाए तो ट्रिगर एसआईपी शुरू हो जाए। वहीं, आप ये भी तय कर सकते हैं कि अगर एनएवी 1000 रुपये से कम हो जाए तो आपके कुछ अतिरिक्त पैसे एसआईपी में लगने लगें। इसी तरह से समय और वैल्युएशन के आधार पर भी ट्रिगर एसआईपी को प्लान किया जा सकता है।

5. इंश्योरेंस के साथ एसआईपी

ये वह एसआईपी होती है, जिस पर आपको टर्म इंश्योरेंस कवर भी मिलता है। अलग-अलग फंड हाउस में यह अलग-अलग तरीके से हो सकती है। कुछ इसके तहत पहली एसआईपी के अमाउंट का 10 गुना तक इंश्योरेंस कवर देते हैं, जो बाद में बढ़ता जाता है। यह फीचर सिर्फ इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में मिलता है और इस पर एक कैपिंग होती है, जैसे 50 लाख रुपये।

इन्वेस्टमेंट जल्दी शुरू करें

जल्दी इन्वेस्टमेंट से मतलब है, कम उम्र में निवेश शुरू कर देना। ऐसा करके आप एसआईपी में ज्यादा टाइम तक इन्वेस्ट कर रिटर्न के रूप में बड़ा अमाउंट पा सकते हैं। एसआईपी में जितना दिन आपका इन्वेस्टमेंट रहेगा, आपको उतनी ही ज्यादा कंपाउंडेड रिटर्न मिलेगा। इसलिए 20 से 30 साल की उम्र के बीच इन्वेस्टमेंट शुरू कर दें।

रेगुलर इन्वेस्टमेंट करें

रेगुलर इन्वेस्टमेंट से एक फाइनेंशियल डिसिप्लिन मेंटेन होता है। इसका एक और फायदा है-अगर आप रेगुलर इन्वेस्टमेंट करते हैं, तो कई बार औसत लागत से ज्यादा फायदा मिल जाता है। इसका मतलब यह है कि अगर कीमतें कम होती हैं, तो आप ज्यादा यूनिट खरीदते हैं और जब कीमतें ज्यादा होती हैं तो आप कम यूनिट खरीदते हैं। इस तरह के एसआईपी करने से शेयर बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो जाता है।

सही फंड का चयन करें

म्यूचुअल फंड से बेहतर रिटर्न के लिए सही फंड चुनना काफी जरूरी है। वैसे म्यूचुअल फंड का चयन करें जो आपके फाइनेंशियल गोल के हिसाब से हों। इसके अलावा मार्केट के रिस्क और फंड की ग्रोथ के अनुमान को देख कर ही उसका चयन करें।

पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करें

पोर्टफोलियो को डाइवर्स रखने से आप मार्केट के रिस्क से भी बच जाते हैं और रिटर्न भी बेहतर मिलने की संभावना बढ़ा जाती है। इसलिए इक्विटी, डेट, गोल्ड, रियल एस्टेट और दूसरे फंड में इन्वेस्ट करने की सोचें। इससे एक के प्रॉफिट से दूसरे के नुकसान की भरपाई हो जाती है।

समय के साथ अमाउंट बढ़ाएं

जैसे-जैसे आपकी इनकम बढ़ती जाती है, आप अपने इन्वेस्टमेंट के अमाउंट को भी बढ़ाएं। वेल्थ बढ़ाने का यह एक बेहतर तरीका है। इसलिए आप धीरे-धीरे एसआईपी के अमाउंट को बढ़ाकर बढ़ी हुई इनकम का लाभ ले सकते हैं।

सोना या शेयर 2024 में कौन चमकाएगा आपकी किस्मत

अक्सर देखने में आता है कि निवेशकों की निगाह हमेशा ऐसे विकल्पों को खोजती रहती है, जो उन्हें तगड़ा रिटर्न दिला सके। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

बिजनेस डेस्क

साल 2023 निवेशकों के लिए काफी गोल्डन रहा है। शेयर बाजार हो या सोना, दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया। इससे सैकड़ों निवेशक मालामाल हुए हैं। सेंसेक्स ने जहां ऐतिहासिक आंकड़ों को छू लिया तो सोना भी पहली बार 60 हजार के पार पहुंचा। अब बाजार के जानकारों के अनुमान है कि वर्ष 2024 भी निवेशकों को जमकर मुनाफा देकर जाएगर। ऐसे में सवाल उठता है कि इस साल निवेशकों को किस एसेट्स पर ज्यादा दांव लगाना चाहिए, सोने पर या शेयरों में। इस बारे में एक्सपर्ट ने निवेशकों के लिए कई काम की जानकारियां दी हैंए जिससे सारी कंफ्यूजन दूर हो गई। वर्ष 2023 को देखें तो सोना और सेंसेक्स दोनों ने ही जमकर रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशकों के लिए ये दोनो एसेट्स निवेश का बेहतर विकल्प बनकर उभरे हैं। वैसे भी कहा जाता है कि निवेशकों के लिए शेयर और सोना दोनों ही पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद होता है।

- दोनों ही दे रहे एफडी से दोगुना रिटर्न, फिर बेस्ट क्या
- शेयर और सोना दोनों पोर्टफोलियो में रखना फायदेमंद
- शेयर बाजार में करीब 10 हजार अंकों का उछाल दिखा
- बाजार ने अपने निवेशकों को 16 फीसदी का रिटर्न दिया
- गोल्ड में पैसे लगाने वाले को 15 फीसदी का रिटर्न मिला

बाजार ने पिछले साल 16 फीसदी रिटर्न दिया

अगर हम 2023 पर नजर डालें तो शेयर बाजार में करीब 10,000 अंकों का उछाल दिखा है। इसका मतलब है कि बाजार ने अपने निवेशकों को करीब 16 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसी तरह, अगर गोल्ड पर नजर दौड़ाई जाए तो 2023 में इस विकल्प में पैसे लगाने वाले को करीब 15 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न मिला है। ऐसे में हम 2024 को लेकर एक्सपर्ट से शेयर बाजार और सोना दोनों का ही ग्रोथ प्रोजेक्शन लेकर आए हैं, जिससे निवेशकों को यह जानने में आसानी होगी कि वे अपना पैस किस विकल्प में लगाएं।

शेयर बाजार फिर देगा तगड़ा रिटर्न

इक्विटी और शेयर बाजार के जानकारों का कहना है कि साल 2024 में भी सेंसेक्स का प्रदर्शन जबरदस्त रहेगा। उन्होंने बताया कि 2024 की समाप्ति तक सेंसेक्स 83,250 और निफ्टी 25,000 के आंकड़े को पार कर सकता है। बता दें कि हाल ही में सेंसेक्स 71,434 पर बंद हुआ है। इस हिसाब से देखा जाए तो 2024 में सेंसेक्स करीब 12 हजार अंकों का उछाल हासिल कर सकता है। यह करीब 14.41 फीसदी का रिटर्न हुआ। इससे पहले 2 जनवरी, 2023 को सेंसेक्स 61,168 के स्तर पर बंद हुआ था। यानी शेयर बाजार से निवेशकों को इस साल 14 फीसदी से ज्यादा रिटर्न मिलने का अनुमान है।

सोने पर क्यों लगाएं दांव

एक जानी मानी कमोडिटी फर्म का कहना है कि ग्लोबल मार्केट में जिस तरह के हालात चल रहे हैं और महंगाई ने पूरी दुनिया पर दबाव बना रखा है तो 2024 में भी गोल्ड की कीमतों में तेज उछाल का अनुमान है। उन्होंने कहा कि गोल्ड ने 2023 को 63,203 रुपये के स्तर पर क्लोज किया और अपने निवेशकों को 14.88 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न दिया। 3 जनवरी, 2024 को 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का भाव 63,344 रुपये रहा, जो साल के आखिर तक 72 हजार रुपये तक जा सकता है। इस लिहाज से एक तोला सोना खरीदने वाले को प्रति 10 ग्राम करीब 9 हजार रुपये का फायदा होगा। इसका मतलब है कि गोल्ड पर इस साल 15.2 फीसदी का रिटर्न मिलने का अनुमान है। इसलिए निवेशक गोल्ड में भी पैसा लगाकर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। वैसे भी गोल्ड को निवेश का सबसे अच्छा विकल्प माना जाता रहा है। ऐसे में गोल्ड पर पैसा लगाना काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

फिर दोनों में बेस्ट कौन

आंकड़ों से स्पष्ट है कि न शेयर बाजार और सोना दोनों ही दहाई अंकों में रिटर्न दे रहे हैं। दोनों का ही अनुमान लगभग एक जैसा है। ऐसे में निवेशकों को दोनों ही विकल्पों को अपने पोर्टफोलियो में रखना चाहिए। जो निवेशक ज्यादा जोखिम उठाने की क्षमता रखते हैं, उन्हें ज्यादातर पैसे शेयर बाजार में लगाने चाहिएं। वहीं, कम जोखिम की क्षमता रखने वालों को सोने पर दांव लगाना चाहिए। सोने पर इसलिए भी ज्यादा भरोसा है, क्योंकि ग्लोबल मार्केट में चल रही उथल-पुथल को देखें तो सोने की मांग आगे और बढ़ने का अनुमान है। इसके अलावा महंगाई व बढ़ती ब्याज दरों की वजह से भी सोना हॉट कमोडिटी बना रहेगा।

ये फंड दे जाते हैं कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न, टैक्स के लिहाज से बेहतर हैं आर्बिट्राज फंड

किन लोगों को करना चाहिए इनमें इनवेस्ट, म्यूचुअल, आर्बिट्राज फंड, कम रिस्क में बेहतर रिटर्न की गारंटी

म्यूचुअल फंड्स से अलग हैं आर्बिट्राज फंड

बिजनेस डेस्क

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को आमतौर पर यही सलाह दी जाती है कि किसी फंड में पैसे लगाने के बाद धैर्य के साथ सही समय का इंतजार करें और उसे बेचने का फैसला तभी करें, जब आपके निवेश की वैल्यू पर्याप्त रूप से बढ़ जाए। लेकिन इनवेस्टमेंट का एक तरीका ऐसा भी है, जिसमें फंड मैनेजर इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे मुनाफा सामने नजर आ रहा हो। सही मौका मिलते ही वह एक हाथ से निवेश करता है और दूसरे हाथ से बेचकर प्रॉफिट बुक कर लेता है। बाकी तमाम एसेट्स की तुलना में बिलकुल अलग ढंग से काम करने वाले इस फंड का नाम है आर्बिट्राज म्यूचुअल फंड। निवेश की बिलकुल अलग स्ट्रैटजी के कारण इसे इक्विटी में निवेश का सबसे कम जोखिम वाला तरीका भी कहा जा सकता है।

इक्विटी इनवेस्टमेंट के मामले में आर्बिट्राज का मतलब है, किसी एक शेयर की एक समय में दो अलग-अलग बाजारों या एक्सचेंज में दो अलग-अलग कीमतों के बीच मौजूद अंतर का फायदा उठाकर उसकी खरीद-बिक्री करना। मिसाल के तौर पर अगर एक शेयर का दाम एक स्टॉक एक्सचेंज में ज्यादा और दूसरे एक्सचेंज में कम हो, तो उसे एक ही साथ सस्ते बाजार से खरीदकर महंगे बाजार में बेचा जा सकता है और इस तरह फौरन मुनाफा कमाया जा सकता है। इसी तरह स्पॉट मार्केट और फ्यूचर्स मार्केट यानी वायदा बाजार में एक ही शेयर की अलग-अलग कीमत का लाभ भी उठाया जा सकता है।

आर्बिट्राज का फायदा

आर्बिट्राज के जरिए मुनाफा कमाने में दो दिक्कतें हैं- एक तो इसके लिए काफी हुनर और वक्त चाहिए, क्योंकि आपको एक साथ लगातार कई बाजारों और शेयरों पर नजर रखकर आर्बिट्राज के मौके तलाशने पड़ते हैं। दूसरी दिक्कत यह है कि दो बाजारों के बीच शेयरों की कीमतों में अंतर आम तौर पर काफी कम होता है। लिहाजा पर्याप्त मुनाफा कमाने के लिए बार-बार बड़े वॉल्यूम वाली डील करना जरूरी है। किसी आम निवेशक के लिए निजी तौर पर ऐसा करना मुश्किल है। लेकिन आर्बिट्राज फंड में निवेश करके इस स्ट्रैटजी का लाभ लिया जा सकता है।

मौके तलाशते हैं फंड मैनेजर

फंड मैनेजर और उनकी टीम लगातार आर्बिट्राज के मौके तलाशते रहते हैं और बार-बार खरीद-बिक्री करके मुनाफा कमाते हैं। सबसे खास बात यह है कि आर्बिट्राज फंड का मैनेजर किसी इक्विटी में निवेश तभी करता है, जब उसे किसी और मार्केट में मुनाफा दिख रहा हो। लिहाजा, इसमें नुकसान का रिस्क बेहद कम हो जाता है। फंड मैनेजर्स को जब इक्विटी में मुनाफा नहीं दिखता तो वो फंड को शॉर्ट टर्म मनी मार्केट या डेट इंस्ट्रूमेंट्स में पार्क करके रखते हैं, ताकि उस पर कुछ न कुछ रिटर्न मिलता रहे।

टैक्स बेनिफिट

आर्बिट्राज फंड दरअसल हाइब्रिड फंड हैं, जिन्हें टैक्सेशन के लिहाज से इक्विटी फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। यानी अगर इसमें किए गए निवेश को 1 साल तक होल्ड करने के बाद निकाला जाए, तो उस पर 1 वित्त वर्ष के दौरान हुए 1 लाख रुपये तक के मुनाफे पर कोई टैक्स नहीं लगता। इससे ज्यादा मुनाफा होने पर 10 फीसदी की दर से लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स लगता है। 1 साल से पहले निवेश निकालने पर होने वाले प्रॉफिट पर 15 फीसदी की दर से शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स देना पड़ता है।

पिछले 1 साल में 8% तक रिटर्न

आर्बिट्राज फंड में निवेश पर जोखिम तो बहुत कम होता है, क्योंकि फंड मैनेजर प्रॉफिट दिखने पर एक बाजार से स्टॉक खरीदकर उसे दूसरे बाजार में बेच देता है, लेकिन ऐसे मौके ज्यादा नहीं मिलते और दो बाजारों में कीमतों का अंतर भी बहुत कम होता है। इसलिए इनमें मिलने वाला रिटर्न भी औसत ही रहता है। पिछले 1 साल में देश के कुछ टॉप आर्बिट्राज फंड ने लगभग 8 फीसदी तक सालाना रिटर्न दिया है। टैक्स बेनिफिट को जोड़ दें तो यह रिटर्न और भी बेहतर नजर आएगा। हालांकि इसे भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं माना जा सकता।

किसे करना चाहिए निवेश

आर्बिट्राज फंड में निवेश का रिस्क प्रोफाइल डेट फंड की तरह होता है। यही वजह है कि कई आर्बिट्राज फंड बेंचमार्क के तौर पर लिक्विड फंड इंडेक्स का इस्तेमाल करते हैं। आर्बिट्राज फंड उन निवेशकों के लिए बेहतर विकल्प हैं जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन जोखिम नहीं उठाना चाहते। उतार-चढ़ाव वाले बाजार में, जोखिम से परहेज करने वाले कई निवेशक अपना पैसा आर्बिट्राज फंड में रखकर औसत रिटर्न ले सकते हैं। अगर आप ऊंचे टैक्स ब्रैकेट में आते हैं, तो टैक्स बचत के लिहाज से आर्बिट्राज फंड में निवेश करना आपके लिए अच्छा विकल्प हो सकता है। पिछले बजट में डेट फंड पर टैक्स बेनिफिट खत्म किए जाने के बाद तो यह और भी आकर्षक ऑप्शन हो गया है। कुछ जानकार यह सलाह भी देते हैं अगर आप अपने सेविंग अकाउंट में ज्यादा पैसे रखते हैं, तो उसका कुछ हिस्सा आर्बिट्राज फंड में लगा सकते हैं।

खबर संक्षेप

गोशालाओं में सेवादारो को बांटे कंबल

बरवाला। अखिल भारतीय सेवा संघ बरवाला शाखा के तत्वावधान में गर्म कंबल एवं वस्त्र वितरण अभियान लगातार जारी है। इस अभियान के संयोजक व प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र सेतिया ने बताया कि इस अभियान का शुभारंभ दुर्गा मंदिर बरवाला के प्रांगण में सभी सदस्यो ने हवन-यज्ञ करवा कर किया।

मनचलों के खिलाफ पुलिस ने कसा शिकंजा

हांसी। एसपी मकसूद अहमद के निर्देशानुसार सेफ सिटी कैंपेन के तहत चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान आज नारनौंद पुलिस ने हॉट स्पॉट स्थान पर पांच मनचलों पर की कार्रवाई। हांसी पुलिस द्वारा शनिवार को नारनौंद शहर में राजकीय कन्या विद्यालय के सामने महिलाओं व छात्रों पर फब्तियां कसने वाले 5 मनचलों पर कार्रवाई करते हुए उनके माता पिता को थाना में बुलाकर हिदायत देकर छोड़ा गया।

मजदूरों की समस्याओं पर विचार किया

हिसार। भवन निर्माण श्रमिक संघ हिसार मंडल हरियाणा संबंधित एटक प्रदेश कमेटी की मीटिंग एटक कार्यालय जिला हिसार में राज्य प्रधान विक्रम सिंह की अध्यक्षता में हुई। मीटिंग में प्रदेश व जिला कमेटी के सदस्य शामिल हुए। मीटिंग में मजदूरों की व समस्याओं पर विचार विमर्श किया गया। राज्य महासचिव विनोद कुमार ने बताया कि मीटिंग में निर्माण मजदूरों की मांगों व समस्याओं को लेकर 20 जनवरी को उपायुक्त हिसार का घेराव करने का निर्णय लिया गया।

शिक्षा मंत्री से 10 को मिलेगा प्राइवेट स्कूल संघ

हिसार। हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ ने बच्चों के भविष्य को देखते हुए प्रदेश सरकार से मांग की है कि अस्थाई स्कूलों पर जबरदस्ती थौंपी जा रही भारी भरकम गारंटी राशि की शर्त को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए ताकि इन स्कूलों में पढ़ रहे बच्चे बोर्ड परीक्षा से वंचित न रहे। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान कुंडू ने कहा कि इस मामले में संघ का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार दस जनवरी को चंडीगढ़ में शिक्षामंत्री से मुलाकात करते हुए अपना पक्ष रखेंगे।

जय श्रीराम उद्घोष के साथ घर-घर बांटे पीले चावल

हिसार। शिव कालोनी के हनुमान मंदिर में अयोध्या से आए अक्षत (पीले चावल) का जय श्रीराम उद्घोष के साथ घर-घर जाकर लोगों को वितरित किए। भाजपा अर्बन मंडल मीडिया प्रभारी ऋषि गोयल ने बताया कि आमजन के साथ 22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली श्री राम प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में हर घर में दीवाली मनाई जाएगी और शिव मंदिर में बड़ी एलईडी लगाई जाएगी ताकि हर कोई इस प्राण प्रतिष्ठा का सीधा प्रसारण देख सके।

जननायक जनता पार्टी की जान हैं कार्यकर्ता

हिसार। जननायक जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह चौटाला ने शनिवार को एक दिवसीय दौरा कार्यक्रम के तहत नलवा हलका के भोजराज, कालवास, हरिता, कैमरी सहित आधा दर्जन गांवों में जनसभाओं को संबोधित किया। जनसभाओं में संबोधित करते हुए डॉ. अजय सिंह चौटाला ने कहा कि जजपा का प्रत्येक निष्ठावान कार्यकर्ता पार्टी की जान है। कार्यकर्ता किसी भी राजनीतिक दल की रीढ़ होते हैं।

पुलिस अधीक्षक ने किया अग्रोहा थाना का निरीक्षण

हिसार। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने थाना प्रभारियों, अनुसंधानकर्ताओं व अन्य अधीनस्थों को निर्देश दिए हैं कि थाना में आने वाली शिकायतों को दर्ज करके उन पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी अपनी ड्यूटी जिम्मेवारी से निभाएं। एसपी मोहित हांडा शनिवार को जिले के थाना अग्रोहा का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर पुलिस बल को आवश्यक निर्देश दे रहे थे। उन्होंने थाने का रिकॉर्ड, मालखाना, आपराधिक रिकॉर्ड का निरीक्षण के साथ साइबर डेस्क व महिला डेस्क की जांच की।

आलू चम्मच रेस प्रतियोगिता में गांव खारिया की वंदना रही अव्वल

महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं में नरानी दौड़ी सबसे तेज

ब्लॉक स्तर पर महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ब्लॉक स्तर पर महिला खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न गांवों की महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिसार द्वितीय की महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी डॉ सरिता ने की। खेल प्रतियोगिताओं में 30 वर्ष से कम तथा 30 वर्ष से अधिक आयु की दो तरह की स्पर्धाओं आयोजित की गई।

हिसार। विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित करते अतिथिगण। फोटो: हरिभूमि

300 मीटर रेस में सपना ने मारी बाजी

30 वर्ष से अधिक आयु की महिला प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ में गांव न्योली कलां से प्रथम रानी, डोभी से द्वितीय सुनीता तथा देवां से तृतीय स्थान नीतू रानी हासिल किया। इसी प्रकार 30 वर्ष से कम आयु की 300 मीटर रेस प्रतियोगिता में गांव गौरछी से प्रथम सपना, द्वितीय मदीना तथा तृतीय स्थान पर कमलेश रही। 400 मीटर रेस प्रतियोगिता में गांव गौरछी से प्रथम मोनिका, द्वितीय अंकिता तथा तृतीय स्थान तानिया ने हासिल किया। इसी कड़ी में मटका रेस प्रतियोगिता में गांव पनिहार से प्रथम नीलम, सुंडावास से द्वितीय संतोष तथा तृतीय स्थान पर सोनिया रही। आलू चम्मच रेस प्रतियोगिता में गांव खारिया से प्रथम वंदना, देवां द्वितीय रोशनी तथा मलापुर तृतीय स्थान सविता ने हासिल किया।

साइकिल रेस में गौरछी की पिंकी प्रथम

साइकिल रेस प्रतियोगिता में गांव गौरछी से प्रथम पिंकी, बालसमंद से द्वितीय कांता तथा टोकस से तृतीय स्थान सुशीला ने हासिल किया। परियोजना अधिकारी ने सभी विजेता महिलाओं को नगद राशि देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीपी सुखबीर सिंह ढांडा, कोच प्रेम सिंह, सहायक कुलवंत सिंह, सर्कल सुपरवाइजर बिमला आर्य, सविता, अर्चना, संतोष, मंदीप सिंह सहित आसपास क्षेत्रों की महिलाएं उपस्थित रही।

हिसार। खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेती महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

कर्तव्य पथ पर निशु व स्नेहा दिखाएंगी जलवा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

दयानंद महाविद्यालय की एनसीसी आर्मी विंग गर्ल्स की कैडेट्स निशु और स्नेहा चैहान गणतन्त्र दिवस के अवसर पर दिल्ली के कर्तव्य पथ पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए ऐतिहासिक पलों की साक्षी बनेंगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. विक्रमजीत सिंह ने कैडेट्स की महत्वपूर्ण उपलब्धि व शानदार प्रदर्शन पर खुशी जाहिर करते हुए बताया कि विभिन्न चरणों की कठिन परीक्षा पास कर गणतन्त्र दिवस परेड के लिए चयनित होकर उन्होंने महाविद्यालय को गौरवान्वित किया है। एन.सी.सी. आर्मी विंग गर्ल्स की सीटीओ प्रो. मंजू शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि निशु का चयन सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए और स्नेहा चौहान का चयन उनकी शानदार परेड प्रदर्शन के तहत मार्च पास्ट के लिए किया गया है। उन्होंने कैडेट्स की प्रतिभा को तराशने व हर सम्भव सहयोग के लिए थर्ड हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी के सभी अधिकारियों व पीआई स्टाफ सदस्यों का आभार प्रकट किया।

हिसार। कर्तव्य पथ पर सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा परेड के लिए चयनित कैडेट्स।

जीजेयू के 6 विद्यार्थियों को मिली प्लेसमेंट

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सौजन्य से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस के ऑन-कैंपस प्लेसमैंट ड्राइव में विश्वविद्यालय के छह विद्यार्थियों का चयन किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कुलपति कार्यालय में सभी चयनित विद्यार्थियों से बातचीत की तथा उन्हें इस सफलता के लिए बधाई दी। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. विनोद छोकर ने भी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी। हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने बताया कि 2000 में स्थापित, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस भारत में अग्रणी जीवन बीमा कंपनी है। प्लेसमैंट निदेशक प्रताप सिंह ने बताया कि प्लेसमेंट प्रक्रिया की शुरूआत ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल सेमिनार हॉल में प्री-प्लेसमेंट टॉक से हुई, जिसमें कंपनी की एचआर मैनेजर ज्योति बानिया ने विद्यार्थियों को कंपनी के बारे में जानकारी दी।

डॉ. राजपाल को मिला यूनाइटेड इंडिया अवॉर्ड

हिसार। राजगढ़ रोड स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हिसार के हिंदी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राजपाल को यूनाइटेड इंडिया नेशनल अवॉर्ड मिला है। डॉ. राजपाल को यह अवॉर्ड हायर एजुकेशन के क्षेत्र में हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार से पंजीकृत वेविल फाउंडेशन की तरफ से दिया गया है। उन्हें यह सम्मान फाउंडेशन के चेयरमैन रोल मैथ्यूज व अवार्ड समिति को-ऑर्डिनेटर अनुपमा लक्ष्मी ने प्रदान किया। इससे पहले भी डॉ राजपाल को विभिन्न नेशनल व इंटरनेशनल संस्थाओं से अवॉर्ड मिल चुके हैं।

धाकड़ छोरियां सीरीज में ओएसजीयू की अहम भूमिका

- हाल ही में ओम स्टलिंर्ग ग्लोबल विश्वविद्यालय में धाकड़ छोरिया नाम से हरियाणवी वेब सीरीज को शूट किया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हाल ही में ओम स्टलिंर्ग ग्लोबल विश्वविद्यालय में धाकड़ छोरिया नाम से हरियाणवी वेब सीरीज को शूट किया गया। यह एक मोटिवेशनल वेब सीरीज है, धाकड़ छोरियां की कहानी हरियाणा की एक लड़की की यात्रा के ईद-गिर्द घूमती है, जिसमें उसके सामने आने वाली चुनौतियों और रास्ते में सीखे गए सबक को दर्शाया गया है।

इस वेब सीरीज के डायरेक्टर, राइटर और क्रिएटर राजीव भाटिया है। तीन जनवरी को वेब सीरीज रिलीज होने के बाद शनिवार को ओएसजीयू में बड़ी स्क्रीन लगाकर विद्यार्थियों और अध्यापकों को भी यह सीरीज दिखाई गई।

इस मौके पर विश्वविद्यालय के चांसलर डॉ. पुनीत गोयल और प्रो चांसलर डॉ. पूनम गोयल ने इस वेब सीरीज की सराहना करते हुए बताया कि ओम स्टलिंर्ग ग्लोबल विश्वविद्यालय हमेशा से शिक्षा प्रदान करने के साथ साथ जन कल्याण के कार्यों में नई भूमिका अदा करता आ रहा है और विश्वविद्यालय समय समय स्वास्थ्य, योग एवं जागरूकता से संबंधित अभियान चलाता है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन. पी. कौशिक ने कहा कि इस तरह की सीरीज हमारे देश की बेटियों और महिलाओं को प्रेरित करने और उन्हें जागरूक करने के लिए काफी बेहतर तरीके से काम करती है। इस वेब सीरीज के माध्यम से नशे और भ्रष्टाचार को खत्म करने के खिलाफ जागरूकता फैलाई जाएगी।

हिसार। वेब सीरीज के बारे में जानकारी देते विवि के अधिकारी व अन्य।

'चेहरे पे गिरी जुल्फें, कहदो तो हटा दूं मैं, गुस्ताखी माफ'

- मुहम्मद रफी तू बहुत याद आया... वानप्रस्थ में कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

महान गायक मुहम्मद रफी के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में वरिष्ठ नागरिकों की संस्था वानप्रस्थ में उन्ही के अमर गीतों द्वारा उन्हें याद किया गया। वरिष्ठ नागरिकों की जवानी का वक्त साठ और सत्तर के दशक का दौर था और यही वक्त फिल्म संगीत के उभरते गायक मोहम्मद रफी के गायन के ऊरूज का था। इस मौके पर वानप्रस्थ के अनेक सदस्यों ने न केवल रफी के गीत गाए बल्कि उनके जीवन से जुड़े अनेक किस्से भी सुनाए। मुख्य प्रस्तुति प्रो. रामकुमार सैनी की रही जो प्रदेश के जाने माने गायक हैं। उन्होंने कुछ फिल्मों में भी गीत गाए हैं। प्रो. सैनी ने शुरुआत /"चेहरे पे गिरी जुल्फें, कहदो तो हटा दूं मैं, गुस्ताखी माफ/"... गीत से की और फिर एक के बाद एक शानदार गीतों की प्रस्तुति करा के आर्केस्ट्रा की धुन पर दी कि श्रोता वाह-वाह ही करते रहे। प्रो. सैनी के गीतों के बीच बीच में वानप्रस्थ के सदस्यों ने भी मोहम्मद रफी के जीवन से जुड़े कई प्रसंग सुनाए व गीत पेश किए। कार्यक्रम की संचालक वीना अग्रवाल ने मुहम्मद रफी के प्रति आनंद बक्शी के श्रद्धांजलि शब्दों को दोहराते हुए कहा कि ना तुझ सा फनकार तेरे बाद आया, मोहम्मद रफी तू बहुत याद आया। प्रो. शामसुंदर धवन व उनकी पत्नी कमल धवन ने एक युगल गीत पेश किया। प्रो. सुरजीत जैन ने रफी द्वारा गई गई गुरु गोविंदसिंह की रचना पेश की। इस मौके पर प्रो. राजपाल, प्रो. पुष्पा खरब, डॉ. महासिंह राणा, प्रो. एसके माहेश्वरी, डॉ. आशा क्वात्रा, करतार सिंह, प्रेम केडिया, एमएम गांधी, योगेश सुनेजा व अजीत सिंह सहित सदस्यों ने भी रफी के गीत पेश किए।

हिसार। कार्यक्रम में गीत पेश करते प्रो. रामकुमार सैनी व कार्यक्रम में उपस्थित वानप्रस्थ संस्था के सदस्य। फोटो: हरिभूमि

लुवास के प्राध्यापकों ने संगोष्ठी में जीते पुरस्कार

- डॉ. शालिनी शर्मा व डॉ. सुरभि को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

बरेली के इज्जतनगर आईसीएआर-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के पशु चिकित्सा जैव रसायन विभाग में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में यहां के लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय लुवास प्राध्यापकों ने अनेक पुरस्कार जीते हैं।

यह अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी भारत की एसवीबीबीआई सोसायटी की ओर से सातवें वार्षिक सम्मेलन और मल्टीओमिक्सः जीव चिकित्सक अनुसंधान में चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर की गई। विश्वविद्यालय की ओर से शनिवार को दी गई जानकारी में बताया गया कि इस संगोष्ठी में पशु चिकित्सा जैव रसायन विभाग, लुवास की संकाय सदस्य डॉ. शालिनी शर्मा, और डॉ. सुरभि ने भाग लिया और विभिन्न मौखिक सत्रों में अपना रिसर्च का काम प्रस्तुत किया।

डॉ. शालिनी शर्मा ने पशु रोग निदान में एफएएसएसी पर विशेष वार्ता दी। डॉ. सुरभि को हरियाणा से एकत्र किए गए हायलोमा एनाटोलिकम टिक्स में डेल्टामेथ्रिन और कूमाफोस के प्रतिरोध में एंजाइमों की भूमिका और मवेशियों और भैंसों के दूध में दैहिक कोशिका गणना और लैक्टेट डिहाइड्रोजनेज का आकलन विषय पर किए गए शोध कार्य के लिए पुरस्कार मिला।

डॉ. सुरभि ने नई पीढ़ी के टीके और डायग्नोस्टिक्स के माध्यम से पशु स्वास्थ्य को बढ़ाना पर मौखिक तकनीकी सत्र में एक प्रतिवेदक के रूप में भी काम किया। कुलपति प्रो (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने उन्हें उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए बधाई दी। पशु चिकित्सा महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. गुलशन नारंग और अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार प्राप्त करने पर उनकी सराहना की।

हिसार। लुवास वैज्ञानिक को सम्मानित करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

अनुभवों को आत्मसात करें स्वयंसेवक

- एनएसएस के स्वयंसेवकों ने स्कूल प्रांगण सहित विभिन्न सावर्जनिक स्थलों की साफ सफाई की और अन्य सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किरतान में जारी सात दिवसीय एनएसएस शिविर का शनिवार को समापन हुआ। स्कूल प्राचार्या सुमन राठी ने बताया कि इस शिविर के दौरान एनएसएस के स्वयंसेवकों ने स्कूल प्रांगण सहित विभिन्न सावर्जनिक स्थलों की साफ सफाई की और अन्य सामाजिक गतिविधियों में भाग लिया। इसके साथ ही विभिन्न विशेषज्ञों की ओर से स्वयंसेवकों को रोजगारपरक व कैरियर से संबधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम के अंतिम दिन उन्होंने सभी स्वयंसेवकों से आह्वान किया कि वे शिविर में लिए गए अनुभवों को आत्मसात करें और अपनी दिनचर्या में शामिल करते हुए समाज के उत्थान में अपना योगदान दें। इस मौके पर एनएसएस इंचार्ज सतपाल, एससीसी इंचार्ज नितेश, मीना देवी, एसएमसी प्रधान रोहताश, स्टेट यूथ अवार्डी मुकेश किरतान सहित स्कूल स्टाफ के सभी सदस्य व अन्य गणमान्य मौजूद थे।

हिसार। शिविर को संबोधित करती स्कूल प्राचार्या सुमन राठी।

पात्र व्यक्तियों को लाभ पहुंचाने के लिए गांव-गांव पहुंची संकल्प यात्रा

भारत के विकास में आमजन का सहयोग जरूरी

- गांव पातन तथा मुकलान में चेयरमैन ईश्वर मालवाल व संजीव गंगवा ने ग्रामीणों से जनसंवाद किया

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

केन्द्र व हरियाणा सरकार की सरकारी योजनाओं का जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव पातन, मुकलान, फ्रांसी तथा जगान में पहुंची। गांव पातन तथा मुकलान में चेयरमैन ईश्वर मालवाल व संजीव गंगवा ने ग्रामीणों से जनसंवाद किया। इस मौके पर विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया गया। गांव जगान में वरिष्ठ नेता रणधीर पनिहार, गांव फ्रांसी में विनोद ऐलावादी यात्रा के दौरान आमजन से रूबरू हुए। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के दौरान उन्होंने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि योजनाओं को लाभ लेने के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें, इसके लिए मोदी-मनोहर सरकार लाभार्थियों के घर द्वार पर पहुंच रही है। पात्र व्यक्ति सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं और देश को विकसित बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। उन्होंने कहा कि भारत को आत्मनिर्भर विकसित राष्ट्र बनाने में आमजन का सहयोग बहुत जरूरी है। प्रदेश में इसी तर्ज पर कार्य हो रहा है, जिससे प्रदेश का सर्वांगीण विकास हो रहा है।

हिसार। विकसित भारत संकल्प यात्रा में सांस्कृतिक प्रस्तुत देती छात्रा।

विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ दिलाई

यात्रा के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉले लगाई गई, जिसका मुख्य अतिथियों ने अवलोकन कर जानकारियां हासिल की तथा ग्रामीणों को भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर बीडीसी चेयरमैन अजय गावड़, जोगीराम खुंडिया, जिला उपाध्यक्ष नरेश सोनी, बीडीसी दीपक कुमार, गांव पातन सरपंच पृथ्वी सिंह, पूर्व सरपंच भाल सिंह, रिछपाल फौजी, कमल शर्मा सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

दंगा नियंत्रण के लिए किया अभ्यास

हिसार। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने कहा है कि जब जिले में किसी प्रकार का माहौल बिगड़ता है तो पुलिस कर्मचारियों के पास ट्रेनिंग का अभ्यास न होने के कारण समय पर दंगा नहीं रोक पाते। इसी को ध्यान में रखते हुए समय-समय पर मॉक ड्रिल जैसे कार्यक्रम किए जाते हैं। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा शनिवार को यहां की पुलिस लाइन व थाना अग्रोहा में आयोजित मॉक ड्रिल के दौरान पुलिस जवानों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने के मद्देनजर दंगा निरोधक पुलिस कंपनियों को मॉक ड्रिल का अभ्यास कराया गया। इस मॉक ड्रिल में उप पुलिस अधीक्षक व निरीक्षक स्तर के अधिकारियों से लेकर जिला पुलिस में तैनात सिपाही तक सभी को प्रशिक्षण दिया गया। एसपी ने बताया कि इस मॉक ड्रिल में पुलिस कर्मचारियों को भीड़ को तितर-बितर करने व दंगा निरोधक गतिविधियों पर कैसे काबू पाया जाए, के बारे में प्रशिक्षण दिया गया। इसके अलावा विशेषज्ञों की टीम द्वारा पुलिस कर्मचारियों को आंसू गैस के गोले छोड़ना व भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कनसील्ड व डंडे के साथ अभ्यास करवाया गया।

खबर संक्षेप

एसपी ने पुलिस कर्मियों को किया सम्मानित

हिसार। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने सराहनीय व उत्कृष्ट कार्य करने पर बालसमंद चौकी में तैनात चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सुरेंद्र सहित पांच पुलिस कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र व नकद इनाम देकर सम्मानित किया है। सम्मानित होने वालों में चौकी प्रभारी उप निरीक्षक सुरेन्द्र के अलावा एएसआई रविंद्र, एएसआई सज्जन, मुख्य सिपाही कुलदीप और एसपीओ शंकर लाल शामिल है।

उपमुख्यमंत्री 11 को कनोह में करेंगे संबोधित

उकलाना। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला 11 जनवरी को विधानसभा क्षेत्र के गांव फरीदपुर, सुरेवाला, खरक पूनिया व कनोह में जनसभाओं को संबोधित करेंगे। यह जानकारी श्रम मंत्री अनूप धानक ने शनिवार को विधानसभा क्षेत्र उकलाना के गांव फरीदपुर, सुरेवाला, खरक पूनिया एवं कनोह में ग्रामीणों से कार्यक्रमों की तैयारियां को लेकर विचार-विमर्श के दौरान दी।

डॉ. बलजीत वराहमिहिर अवार्ड से सम्मानित

हिसार। भारत की ऐतिहासिक नगरी महाकाल की पवित्र धरती उज्जैन के विक्रम विश्वविद्यालय में द्वितीय अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष महाअधिवेशन का आयोजन किया गया। अधिवेशन में सम्मानित अतिथि के रूप में हिसार से दिव्या वैदिक ज्योतिष संस्थान के अध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य डॉ. बलजीत शास्त्री को आमंत्रित किया गया। डॉ. बलजीत शास्त्री को वैदिक ज्योतिष के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट सेवा कार्यों और उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिले अवॉर्डों के आधार पर उन्हें सबसे बड़े सम्मान वराहमिहिर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

नॉन टीचिंग स्टाफ एसोसिएशन ने दी बधाई

हिसार। हकृवि नॉन टीचिंग स्टाफ एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज को श्री एमएस स्वामीनाथन अवार्ड मिलने पर बधाई दी है। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने शनिवार को कुलपति से मिलकर अवार्ड मिलने पर खुशी जताई।

उचाना बस स्टैंड के पास भगवान परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला में सम्मान समारोह में बोले पूर्व वित्त मंत्री

पीएम मोदी ने किसान निधि की शुरुआत कर बढ़ाया किसानों का सम्मानः कैप्टन अभिमन्यु

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

उचाना बस स्टैंड के पास भगवान परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यअतिथि के तौर पर भाजपा नेता एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने शिरकत की। यहां पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया। सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, गणमान्य लोगों एवं बुजुर्गों को कार्यक्रम में पूर्व वित्त मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। मंच संचालन रामचंद्र अत्री ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ओमप्रकाश थुआ, ओमप्रकाश नैन, डा. रामचंद्र जांगड़ा मौजूद रहे।

कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि भाजपा सत्ता में आने से पहले सिफारिशों, रुपये के बूते पर रोजगार मिलते थे। जब से भाजपा सत्ता में आई है तब से पर्ची, खर्ची को बंद करने का काम किया है। आज पढ़े लिखे होनहार युवाओं को रोजगार मिल रहा है। गरीब का बेटा भी पढ़-लिख कर एचसीएस के पद तक पहुंच रहे है। अंत्योदय योजना शुरू कर अंतिम पंक्ति तक सुविधा पहुंचाना है। घर-घर शौचालय बनवाने के साथ-साथ केंद्र सरकार ने धुआं मुक्त रसोई के तहत मुफ्त गैस सिलेंडर, चूल्हे पात्र परिवारों को दिए जा रहे है।

पांच राज्यों के चुनाव परिणाम ने लोकसभा चुनाव की तस्वीर साफ कर दी है। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि कांग्रेस किसानों के नाम पर राजनीति करती रही लेकिन किसानों के हितों के लिए किसी ने काम किया है तो वो पीएम नरेंद्र मोदी ने किया है। हर साल छह हजार रुपये किसान निधि शुरू की जो आज बढ़ कर 12 हजार रुपये प्रति वर्ष हो गई है। इस बार लोकसभा चुनाव में 2019 से अधिक सीटें लेकर भाजपा सत्तासीन होगी। पीएम नरेंद्र मोदी तीसरी बार देश के पीएम बनेंगे। आज दूसरे देश भारत की तरफ देखते हैं, ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को सशक्त, समक्ष बनाया है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि परिवारवाद की राजनीति को भाजपा ने खत्म करने का काम किया है। आम परिवार का बेटा देश के पीएम, सीएम के पद तक पहुंच सकता है। भाजपा वो पार्टी है जहां कार्यकर्ता बड़े से बड़े पद तक जा सकता है। हमारे क्षेत्र के लोग बहकावे में जल्दी आते है। लोगों को ये बात समझनी होगी कि उन्हें सिर्फ चुनाव के समय याद किया जाता है। हमें किसी के बहाकवे में नहीं आना है बल्कि जो अपने है उन्हें मजबूत करना है। भाजपा सरकार ने इस धारणा को बदलते हुए सीएम मनोहर लाल की अगुवाई वाली सरकार में बिना भेदभाव के विकास, रोजगार देने का काम किया है।

कांग्रेस नेता लोगों को बहकाने के काम में जुटे, सामाजिक संस्थाओं, वृद्धों व गणमान्य लोगों को किया सम्मानित

जींद। सम्मान समारोह में गणमान्यों के साथ पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जींद। सम्मान समारोह को संबोधित करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जींद। पत्रकारों से बातचीत करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

समारोह में लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जींद। समाजसेवी संस्थाओं व वृद्धों के साथ पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

जींद। आयोजित सम्मान समारोह में मौजूद गणमान्य लोग।

जींद। समारोह लोगों का अभिवादन स्वीकार करते पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

कांग्रेस पूर्व प्रदेशाध्यक्ष पर बरसे कैप्टन

कांग्रेस पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी शैलजा द्वारा भाजपा राज को धरनों की सरकार बताए जाने पर पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के लोग भूल जाते हैं कि उनके समय में गेस्ट टीचर पर किस तरह से लाठीचार्ज किया था। एक गेस्ट टीचर की मौत हुई थी। किसान की फसल के नुकसान पर दो-दो रुपये के चेक दिए जाते थे। आज किसान के लिए किसान सम्मान निधि शुरू की है, खिलाड़ियों को पहले से ज्यादा पुरस्कार दिए जा रहे हैं। कांग्रेस नेता आज लोगों को बहकाने का काम कर रहे हैं। यूपीए के दस साल के शासनकाल में स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट को लागू नहीं किया गया है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर ओमप्रकाश थुआ, ओमप्रकाश नैन, रामचंद्र अत्री, सुनील नैन डा. रामचंद्र जांगड़ा, कुलदीप काकड़ोद, सतबीर कसूहन, नरेंद्र खापड़, स'जन भौंगरा, श्रवण मांडी, बलवान शर्मा कापड़ो, श्रीकांत कसूहन, वीरेंद्र दुर्जनपुर, गोल्डी डूमरखां, साधुराम गुरूकुल खेड़ा, अमित काकड़ोद, रिषिराम डूमरखां, जिले सिंह राणा, रामदिया पांचाल, नरेश सौंगरी, बलबीर चहल मौजूद रहे।

इंडिया गठबंधन घमंडियाः पूर्व वित्त मंत्री

इंडिया गठबंधन पर बोलते पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि इस गठबंधन को घमंडिया गठबंधन कहा जाता है। गठबंधन के नेता आज तक ये रूपरेखा तैयार नहीं कर पाए हैं कि कौन इनका नेतृत्व करेगा। हर प्रदेश में इनके आपस में फूट के सुर आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल के अंदर टीएमएसी का कांग्रेस के साथ झगड़ा हो रहा है। पंजाब में आप, कांग्रेस में लड़ाई झगड़ा हो रहा है। हरियाणा के अंदर ये मालूम नहीं हो रहा है कोई है के नहीं है। इंडिया गठबंधन का एक मात्र एजेंडा है कि पीएम नरेंद्र मोदी को पीएम बनने से रोका जाए। यह परिवारवाद की राजनीति को बढ़ाने का संगठन है। जिसको देश की विचारधाराओं से कुछ लेना देना नही है। फिर से पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार पहले से ज्यादा बहुमत सरकार बने, इसको लेकर तैयारी पूरी है।

आज भारत का विश्व में बज रहा डंका : कैप्टन

- भगवान परशुराम धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत में बोले पूर्व वित्त मंत्री

हरिभूमि न्यूज. जींद

हरियाणा प्रदेश के पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि वर्ष 2024 शुरू हो गया है और यह चुनावी साल है। आप सब को यह सोचना है कि देश की संसद में फिर से आपका कौन प्रतिनिधित्व करेगा, कौन देश की सरकार चलाएगा। ऐसे में पहले से भी अधिक मजबूती से हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूत करना है। आज भारतवर्ष की 140 करोड़ जनता को आजदी के 70 साल बाद यह अहसास हो रहा है कि सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनका नेतृत्व कर रहे हैं। अमेरीका, जर्मनी, रूस और फ्रांस जैसे देश भी शांति और सद्भावना के लिए प्रधानमंत्री को बोल रहे हैं। इससे बड़ा सम्मान भारत देश के लिए क्या हो सकता है।

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु शनिवार को उचाना के बस स्टैंड के निकट भगवान परशुराम धर्मशाला में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश में किसान के नाम पर तो राजनीति की गई लेकिन किसी ने किसानों का दर्द नही समझा और न ही किसान को सम्मान देने की बात सोची। प्रधानमंत्री ने इस दर्द को समझा और किसानों को सहायता के तौर पर प्रतिवर्ष दो बार छह-छह हजार रुपये दिए जा रहे हैं। वहीं चौधरी देवीलाल ने कभी 100 रुपये की पेंशन की शुरुआत की थी, आज वह पेंशन 3000 तक पहुंच गई है। आने वाले समय में यह बढ़ेगी और कभी घटेगी नही। सरकार ने शोषित, पिछड़े सहित हर वर्ग के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने का काम किया है।

पीएम मोदी 140 करोड़ लोगों के प्रतिनिधि

आज भाजपा सरकार में सबसे अधिक फसलों के दाम किसानों को मिल रहे हैं। आज एक सम्मान बढ़ाने का जो काम नरेंद्र मोदी कर रहे हैं, वो लगातार बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिंदुस्तान की 140 करोड़ लोगों के प्रतिनिधि हैं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र भाई मोदी गरीबी का जीवन देख कर के उठे और अपना सर्वस्व समर्पित करते हुए देश की जनता के दिलों में ही अपनी जगह बनाई। जिसका असर यह हुआ कि दुनिया में सर्वाधिक लोकप्रिय नेता आज भारत का नेतृत्व कर रहा है।

डाबड़ा के पवन के सुसाइड करने का मामला

- पुलिस ने दिखाई सख्ती, मामूली विरोध के बाद 5वें दिन हुआ मृतक पवन का अंतिम संस्कार
- विरोध करने वाले कुछ लोगों को पुलिस ने लिया हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

नजदीकी गांव डाबड़ा निवासी युवक पवन के सुसाइड मामले में पांच दिन बाद शव का दाह संस्कार कर दिया गया। पुलिस द्वारा कई बार प्रयास करने के बाद भी जब परिजन नहीं माने तो पुलिस ने सख्ती दिखाई और अपनी देखरेख में शव का दाह संस्कार करने की बात कही, जिस पर काफी ना-नुकर के बाद परिजन मान गए।

इस दौरान ऐहतियात के तौर पर कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया। नागरिक अस्पताल में पुलिस की एक बस में पवन के शव को तथा दूसरी बस में परिजनों व अन्य को गांव ले जाया गया। डीएसपी अशोक कुमार व थाना प्रभारी विजयपाल सहित अन्य पुलिस बल की मौजूदगी में मृतक के शव का दाह संस्कार कर दिया गया। इससे पहले दोपहर लगभग साढ़े तीन बजे डीएसपी अशोक कुमार ने धरने पर बैठे परिवार वालों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने धरने पर बैठे परिजनों को चेताया कि वे एक घंटे के अंदर अपना धरना समाप्त करके शव का सामाजिक रीति रिवाज के अनुसार दाह संस्कार करें, वरना प्रशासन की देखरेख में पुलिस अंतिम संस्कार गांव में करवाएगी। इसके बावजूद परिवार वाले आरोपितों की गिरफ्तारी को पर अड़े रहे। इसके बाद शाम के समय डीएसपी अशोक कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम पहुंची और धरने पर बैठे परिजनों ने इस दौरान विरोध किया लेकिन उनकी एक न चली। इस पर वे मामूली विरोध के बाद बस में बस बैठ गए। पुलिस ने इस दौरान दो तीन लोगों को हिरासत में भी लिया।

हिसार। शव को दाह संस्कार के लिए गांव डाबडा में ले जाने के लिए डेडबॉडी की गाड़ी में रखवाती पुलिस।

एक जनवरी को पवन ने किया था सुसाइड

पवन की मां सुनीता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके चार बच्चे (दो लड़के और दो लड़कियां) हैं। उसका बेटा पवन सबसे बड़ा था, जिसकी उम्र करीब 27 साल थी। जिस मकान में वह रहती है, इस मकान को लेकर अजयबीर, ईश्वर झाझडिया, प्रेम खाती, राजेन्द्र सिहाग और डीएसपी जोगिंदर शर्मा के साथ कोर्ट में केस चल रहा है। इसी केस कारण बेटा पवन परेशान रहता था। लगभग एक सप्ताह पहले अजयबीर और उसका बेटा अर्जुन खेत में पवन को मिले थे। दोनों ने पवन से कहा कि तेरी मां को कहकर मकान खाली करवा दे। इसके बाद पवन घर आ गया। वे लोग उसे लगातार उन्हें धमकियां दे रहे थे। इसके चलते पवन ने परेशान होकर एक जनवरी को मकान में बने कमरे में पंखे से केबल वाली तार से फांसी लगा ली।

आरोपितों पर घर आकर धमकाने का आरोप

सुनीता ने बताया कि आरोपितों के खिलाफ अक्टूबर 2020 को जान से मारने की धमकी और अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज करवाया था। उस समय तत्कालीन डीएसपी जोगिंदर शर्मा ने इस मामले की जांच की थी। डीएसपी ने सभी आरोपितों के साथ मिलकर घर आकर उन्हें धमकाया था। इस मामले में आजाद नगर थाना को शिकायत दी गई थी, लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया था। इसके बाद से यह मामला कोर्ट में चल रहा है।

डीएसपी सहित छह पर हो चुका मामला दर्ज

मृतक के परिजन आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे है। इस मामले में पूर्व क्रिकेटर व डीएसपी जोगिंदर शर्मा समेत छह पर केस दर्ज हो चुका है। उन पर डाबड़ा गांव के पवन को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। परिवार का आरोप है कि आरोपितों ने उन पर मकान खाली करने का दबाव डाला था।

पांच दिन से दे रहे थे धरना

इसी मामले में परिवारजन व अन्य संगठन आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग पर तीन जनवरी से सिविल अस्पताल में धरना दे रहे थे। युवक का पोस्टमॉर्टम हो चुका है। केस में एससीएसटी की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

अप्रूड कॉलोनियों में अनअप्रूड प्रॉपर्टी जल्द होगी अप्रूड, कॉलोनियों का सर्वे कर रिपोर्ट तैयार की

- शहर में ऐसे 24 पैच मिले जो अप्रूड कॉलोनियों में होने के बाद भी एनडीसी पोर्टल पर है अनअप्रूड दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭हांसी

शहर के अप्रूड कॉलोनियों में बचे अनअप्रूड एरिया को वैध करने के लिए सर्वे किया जा रहा है। शहर की कॉलोनियों में ऐसे 24 पैच मिले है जो अप्रूड कॉलोनियों में तो है परंतु अभी भी पोर्टल पर उन प्रोपर्टी को अनअप्रूड दिखाया जा रहा है। इसके लिए परिषद के अधिकारियों द्वारा सभी कालोनियों के नक्से निकलवाएं गए हैं। नक्सों के अनुसार ऐसी प्रोपर्टी को चिन्हित किया गया है। ताकि सर्वे कर ऐसी प्रोपर्टी की रिपोर्ट तैयार कर हेड आफिस भेजी जा सके। इसके लिए कोर एरिया का सर्वे कनिष्ठ अभियंता की देखरेख में किया जा रहा है।

शहर में ऐसी कई प्रोपर्टी थी जो अप्रूड एरिया में मौजूद थी, परंतु अभी भी वैध नहीं थी। ऐसे में जमीन मालिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। क्योंकि ऐसी प्रोपर्टी के कामों के लिए जब भी वे परिषद के कार्यालय जाते थे तो उन्हें एक ही जवाब दिया जाता था कि वह प्रोपर्टी अनअप्रूड है। जिसके चलते वे कई सुविधाओं से वंचित रह जाते थे। परंतु प्रोपर्टी के मालिकों द्वारा जब ऐसे प्रोपर्टी को खरीदा गया था और जिस कॉलोनी में वे प्रोपर्टी है उस कॉलोनी को वैध बताया गया था। ऐसे में इस प्रकार की प्रोपर्टी मालिकों की मुशिबतें बढ़ी हुई थी। परंतु अब उन्हें राहत मिलने वाली है। जल्द ही उनकी प्रोपर्टी भी एनडीसी पोर्टल पर वैध अपलोड हो सकेंगी।

2014 में हुआ था लास्ट सर्वे

अप्रूड कॉलोनियों के लिए लास्ट सर्वे 2014 में किया गया था। सर्वे के समय शहर में कुछ ऐसी प्रोपर्टी छूट गई थी जो वैध होते हुए भी अवैध दिखा दी गई थी। ऐसी अप्रूड कॉलोनियों का कुछ एरिया जिसका खसरा नंबर तो अप्रूड में आता है परंतु कुछ एरिया एनडीसी पोर्टल पर अनअप्रूड है। ऐसी प्रोपर्टी की लिस्ट मुख्य कार्यालय से प्राप्त हुई है। अब परिषद के अधिकारियों द्वारा ऐसी सभी कॉलोनियों का सर्वे किया गया है। सर्वे में कुल रिहायशी मकान, कर्मीशल प्रोपर्टी, कुल रोड व गलियों का भी सर्वे किया गया है। साथ ही यह पूछा गया है कि क्या इन प्रोपर्टी को अप्रूड किया जा सकता है। पूरी रिपोर्ट तैयार कर परिषद के अधिकारियों द्वारा भेजी जानी है।

सर्वे का काम हो चुका है पूरा : जेई

नगर परिषद के जेई मोहित ने बताया कि अप्रूड कॉलोनियों में अनअप्रूड एरिया के लिए सर्वे किया गया है। सर्वे का काम पूरा हो चुका है। शहर में ऐसे 24 पैच मिले है। जो अप्रूड कालोनी में तो हैं परंतु अभी भी पोर्टल पर अनअप्रूड प्रोपर्टी दिखाई जा रही थी। ऐसे कॉलोनियों को पूरा सर्वे किया गया है। सर्वे के बाद रिपोर्ट को तैयार कर लिया गया है। हाउस की मीटिंग में इस रिपोर्ट को प्रस्तुत किया जाएगा। जिसके बाद इसे हेड आफिस भेज दिया जाएगा।

शांति निकेतन स्कूल में एनएसएस शिविर शुरू

मंडी आदमपुर। शांति निकेतन पब्लिक स्कूल में शनिवार से सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर प्रारंभ हुआ। शिक्षाविद कांता शर्मा ने शिविर का शुभारंभ करते हुए स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उन्होंने एनएसएस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रनिर्माण में स्वयं सेवकों का अहम योगदान होता है। एनएसएस के स्वयंसेवक लोगों के साथ मिलकर समाज हित के लिए कार्य करते हैं। कैंप संयोजक अध्यापक हरिसिंह ने कहा कि कैंप की मुख्य थीम आत्मनिर्भर भारत है। इस दौरान चेयरमैन पपेन्द्र ज्याणी, डायरेक्टर अनिरुद्ध बिश्नोई, प्रिंसीपल राजेन्द्र एवं सुनीता ज्याणी आदि मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 9653530207, 9253681005

नेशनल हैंडबाल प्रतियोगिता में 27 राज्यों की टीमें ले रही भाग

नेशनल हैंडबाल प्रतियोगिता में हरियाणा टीम का रहा दबदबा

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

महाबीर स्टेडियम में शिक्षा विभाग के तत्वावधान में चल रही अंडर-19 स्कूली नेशनल हैंडबाल प्रतियोगिता के दूसरे दिन हरियाणा टीम का दबदबा रहा। लड़कियों व लड़कियों की टीमों ने इस दौरान बेहतरीन प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के दूसरे दिन लीग मैच खेले गए। प्रतियोगिता के दौरान लड़कियों में हरियाणा की टीम ने पंजाब को 22-5 से तथा लड़कों में हरियाणा टीम ने जम्मू-कश्मीर को 24-9 से हराकर अगले राउंड में प्रवेश किया। लड़कियों के मुकाबले में महाराष्ट्र ने आंध्रप्रदेश को 19-2 से, लद्दाख ने सीबीएसईडब्ल्यूओएस को 8-2 से हराया। इसी तरह मध्यप्रदेश और गुजरात के बीच हुए मुकाबले में दोनों का स्कोर 11-11 रहा। इस पर दोनों टीम को 1-1 प्वाइंट दे दिया गया। हिमाचल प्रदेश ने सीआईएससीई को 16-4 से, उत्तर प्रदेश ने दिल्ली को 13-12 से, कर्नाटका ने तमिलनाडू को 16-15 से, केरला ने एनवीएस को 8-5 से, महाराष्ट्र ने तेलंगाना को 16-6 से, छतीसगढ़ ने लद्दाख को 3-1 से और मध्यप्रदेश ने आईपीएससी को 19-1 से हराया।

हिसार। महाबीर स्टेडियम में हैंडबॉल मैच में दमखम दिखाती खिलाड़ी।

दिल्ली ने गुजरात को लड़कों के मुकाबले में किया 22-13 से पराजित

प्रतियोगिता के दौरान लड़कों के मुकाबलों में केरला ने आंध्रप्रदेश को 25-16 से, तेलंगाना ने सीआईएससीई को 22-4 से, कर्नाटका ने चंडीगढ़ को 16-13 से, दिल्ली ने गुजरात को 22-13 से पराजित किया जबकि उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश के बीच मैच ड्रा होने पर दोनों टीमों को 1-1 प्वाइंट दिया गया। इसके अलावा पंजाब ने लद्दाख को 21-4 से हराया, मध्यप्रदेश ने तमिलनाडू को 23-22 से, बिहार ने महाराष्ट्र को 28-18 से, एनवीएस ने छत्तीसगढ़ को 11-5 से हराया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार, 7 जनवरी 2024

एक-दूसरे से सहज संपर्क के लिए ईजाद किया गया मोबाइल फोन, अब हमारी जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है। इसमें मौजूद तकनीकों ने बहुत सहूलियतें दी हैं तो यह हमारे बारे में दूसरों को बहुत-सी जानकारियां भी दे सकता है। हमारे व्यवहार, मानसिकता और सामाजिक छवि के बारे में भी हमारा मोबाइल फोन बहुत कुछ बताता है।

हमारे बारे में बहुत कुछ बताता है

मोबाइल फोन

आपसे वह बात नहीं करना चाहता। पहले कई तरह के दूसरे बहानों की गुंजाइश थी, लेकिन अब नहीं रह गई है। इसलिए आज की तारीख में किसी का फोन उठाना या ना उठाना, आपके उस व्यक्ति के साथ रिश्ते अच्छे होने या ना होने का आधार माना जाता है।

{ कवर स्टोरी / किरण भास्कर }

इस समय दुनिया में कुल जितनी आबादी है, उससे करीब डेढ़ गुना ज्यादा मोबाइल फोन मौजूद हैं। एक अनुमान के मुताबिक धरती के हर कोने में, हर समय करीब चार अरब से ज्यादा मोबाइल फोन सक्रिय रहते हैं। मोबाइल फोन अब महज एक-दूसरे के साथ संपर्क का जरिया भर नहीं है बल्कि यह हर साल तीन ट्रिलियन से ज्यादा के ऑनलाइन और मोबाइल कारोबार का बुनियादी जरिया भी बन चुका है। दुनिया में हर दिन इसी मोबाइल फोन की बदौलत जहां करोड़ों दिल प्यार की डोर में बंधते हैं, वहीं लाखों लाख दिल हर दिन इसी मोबाइल के जरिए टूट भी जाते हैं। आज शासन-प्रशासन की ज्यादातर गतिविधियां भी मोबाइल फोन से ही संपन्न होती हैं। लब्बोलुआब यह कि आज मोबाइल फोन सिर्फ सूचना पाने या देने का जरिया ना होकर, यह हमारी आधुनिक जीवनशैली का जरूरी हिस्सा बन चुका है।

रिलेशन अप्रोच करता है साबित

जब तक मोबाइल फोन नहीं थे, दुनिया में सिर्फ लैंडलाइन फोन ही थे, तब तक किसी से फोन पर बात करने या ना करने की हमारे पास भरपूर छूट हुआ करती थी। मान लीजिए किसी ऐसे व्यक्ति का फोन हमारे लैंडलाइन पर आया, जिससे हम बात नहीं करना चाहते, तो किसी और से कहला दिया जाता था कि आपको जिनसे बात करनी है, फिलहाल वो यहां मौजूद नहीं हैं। लेकिन अब इस तरह की छूट लेना संभव नहीं रहा, क्योंकि भले आपका मोबाइल फोन उठाकर कोई अन्य सदस्य कॉल करने वाले से यह कह दे कि आपको जिनसे बात करनी है, वो यहां मौजूद नहीं हैं, सिर्फ उनका मोबाइल फोन यहां छूट गया है। लेकिन अब आपकी ऐसी बातों पर कोई आसानी से यकीन नहीं करेगा। भले यह सौ फीसदी सच हो, क्योंकि मोबाइल फोन का मतलब होता है, ऐसा फोन जो सिर्फ आपके पास रहता है और जिसे आप ही उठाने या ना उठाने का निर्णय करते हैं। इसलिए आज के दौर में किसी का फोन अगर कोई नहीं उठाता, तो इसका साफ संदेश होता है कि

कॉलर की पहचान हुई आसान

आज की तारीख में मोबाइल फोन इसलिए एक सेंसिटिव, एटिकेट और रिलेशन का मानक बन गया है, क्योंकि आज तकनीक ने हमसे वो तमाम बहाने छीन लिए हैं, जिनकी बदौलत पहले हम यह भ्रम पाल सकते थे या किसी और से पलवा सकते थे कि वास्तव में हमें आपकी सही-सही पहचान का पता नहीं चलता था। लेकिन आज ऐसा नहीं है। करीब-करीब हर व्यक्ति के फोन में यह सुविधा है कि जब कोई फोन आ रहा हो

तो साफ पता चल सके कि फोन कौन व्यक्ति कर रहा है। जिन्हें अभी यह सुविधा उपलब्ध नहीं है या जो इसका उपयोग नहीं करते, उन्हें भी कम से कम इतना तो पता चल ही जाता है कि फोन कौन कर रहा है? अगर उसका फोन नंबर आपके मोबाइल में मौजूद है या उससे नियमित बात होती है तो।

लोकेशन भी बताता है फोन

अब तो कई ऐसी नई तकनीकें भी आ चुकी हैं, जिनके कारण लोगों का यह बहाना भी छिन गया है, जिसमें वे होते कहीं और थे, जबकि बताते कहीं और थे। इससे उन्हें बात ना करने की छूट मिल जाती थी। आज बहुत मामूली भुगतान पर ऐसे तकनीकी एप मौजूद हैं, जो आपको बताते हैं कि फोन करने वाला व्यक्ति कहां से फोन कर रहा है? यानी कॉलर की प्रेजेंट लोकेशन क्या है? इसलिए आप दिल्ली में बैठे हुए किसी व्यक्ति से यह नहीं कह सकते कि मैं मुंबई में हूं। बेहतर यही है कि मोबाइल से बात करते समय अपनी लोकेशन के बारे में सच ना छुपाएं।

यहां जिक्र की गई क्वालिटीज के अलावा भी फोन की तकनीक ने हमारी जिंदगी के बहुत सारी परतों को सबके सामने खोलकर रख दिया है। कुल मिलाकर कहने की बात यह है कि आज रोजमर्रा की जिंदगी में फोन हमारी जीवनशैली और रोजगार से लेकर भावनाओं के कारोबार तक का जरिया बन चुका है, इसलिए फोन का बहुत सटीक और जितना हो सके ईमानदार उपयोग करें, वरना आपकी सालों की बनी-बनाई इमेज को मोबाइल फोन पलक झपकने की देरी में डैमेज कर सकता है। *

फॉलो करें मोबाइल एटिकेट्स

मोबाइल फोन के पर्सनल यूज में सावधानियों के साथ शिष्टता का बर्ताव करते हुए कुछ प्रैक्टिकल टिप्स को भी याद रखना चाहिए।

- जब भी किसी क्लोज फ्रेंड या रिलेटिव से पब्लिक प्लेस या वर्कप्लेस पर बात करें तो उसके फोन को स्पीकर पर ना डालें। इससे फोन करने वाले को इंसल्ट महसूस होती है। उसे लगता है उसकी बातें दूसरे ऐसे लोग भी सुन रहे हैं, जिनको नहीं सुनना चाहिए, फिर चाहे भले ऐसा ना हो रहा हो।
- फोन से बात करते हुए कभी भी अपनी आवाज बहुत तेज ना करें। कोशिश करें कि किसी सार्वजनिक जगह पर फोन से तभी बात करें, जब आपके आस-पास 4-5 फीट तक कोई ना खड़ा हो।
- वो दिन बीत गए जब लोग धड़ल्ले से दूसरों का लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किया करते थे। मोबाइल के दौर में दूसरे के फोन के इस्तेमाल की कोशिश ना करें। यदि मजबूरी में ऐसा करना हो तो बिना परमिशन ऐसा ना करें।
- अगर आप किसी मीटिंग या पब्लिक प्लेस पर हैं और बात नहीं कर सकते तो कॉल करने वाले को मैसेज से सूचना जरूर दे दें कि बाद में आप कॉल करेंगे। *

डिजिटल संवाद का पसंदीदा सिंबल इमोजी

व्हाट्सअप, मैसेंजर, एसएमएस, ई-मेल, फेसबुक या ट्विटर, सोशल मीडिया या डिजिटल कम्युनिकेशन का कोई भी ऐसा प्लेटफॉर्म नहीं है, जहां इन दिनों इमोजी का जमकर इस्तेमाल ना हो रहा हो। सच यही है कि आज की डिजिटल होती लाइफस्टाइल में इमोजी पूरी तरह फिट हो गई है।

{ टेक्नोलाइफ / लोकमित्र गौतम }

आज के दौर में पूरी दुनिया में लोग एक-दूसरे को जो डिजिटल मैसेज भेजते हैं, उनमें शायद ही किसी भी भाषा का कोई शब्द इतना ज्यादा इस्तेमाल होता हो, जितनी ज्यादा इमोजी का इस्तेमाल होता है। जी हां, वही छोटी-छोटी आकृतियां जिन्हें स्माइली भी कहा जाता है। दुनिया भर में हर दिन लोग आपस में डिजिटल संवाद करते हुए 6 बिलियन से ज्यादा बार इमोजियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि इमोजीज, डिजिटल संवाद को नए अर्थ ही नहीं, नए आयाम भी देती है। दरअसल, जब हम मन में उमड़-घुमड़ रहे असीमित भावों को शब्दों में व्यक्त कर पाने में असमर्थता महसूस करते हैं, तो ये छोटी-छोटी डिजिटल सिंबल्स हमारे बहुत काम आती हैं।

कहां से आई इमोजी: इमोजी, जापानी भाषा का शब्द है, जिसका मतलब होता है, चित्राक्षर। इ का मतलब होता है- चित्र और मोजी का मतलब अक्षर या वर्ण। इसे एक छोटी डिजिटल इमेज या आइकन भी कहा जा सकता है। इसका विकास साल 1997 में एक जापानी कलाकार शिगेताका कूरिता ने किया था। शिगेताका पेशे से इंजीनियर नहीं, अर्थशास्त्र से स्नातक थे और टेलीकॉम कंपनी डोकोमो में काम करते थे। उन्होंने ही पहली बार 176 इमोजी बनाए थे, जो दुनिया में इमोजीज का पहला सेट माना जाता है। इसमें 11X12 ग्रिड पर फिक्सेलेटिड रंगीन कार्प, सिलाई जैसे डिजाइन प्रस्तुत किए गए थे। इसके लिए सड़क संकेतों और चीनी अक्षरों से बनने वाले संकेतों का भी सहारा लिया गया था। इसका उद्देश्य उस जमाने में सेलफोन पर एक सीमित टेक्स्ट को असीमित आयाम देना था, क्योंकि उन दिनों 250 अक्षरों (कैरेक्टर्स) में ही अपना संदेश लिखने की बाध्यता होती थी। इस सीमा में रह कर अपने सीमित संदेश को कैसे असीमित आकार दें, इमोजी के संकेताक्षरों की खोज इसी उद्देश्य के लिए हुई थी।

यंगस्टर्स ने बढ़ाई पॉपुलैरिटी: वैसे कम्युनिकेशन में इमोजी का अस्तित्व पिछली सदी में ही अपनी जगह बना चुका था, लेकिन इसकी लोकप्रियता में उफान मौजूदा सदी के साल 2011 में तब आया, जब इसने धीरे-धीरे युवाओं को आपसी संवाद की भाषा में अपने इस्तेमाल के लिए आकर्षित किया। चार साल बाद सन् 2015 में 'ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी' ने इमोजी शब्द को अपने यहां जगह दी, जिस कारण इसे एक विश्वव्यापी परिभाषा मिली। ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में इमोजी के लिए लिखा गया, 'फेस विद टीयर्स ऑफ जॉय।' इमोजी के बारे में अगर कहा जाए कि यह डिजिटल जनरेशन की सबसे पसंदीदा भाषा है, और पूरी दुनिया में इसकी एक जैसी वर्तनी और एक जैसी अभिव्यक्ति है, तो इसमें जरा भी अतिश्योक्ति नहीं होगी। यही वजह है कि बिना किसी प्रचार या प्रयास के भी आज हर दिन पूरी दुनिया में 6 बिलियन से ज्यादा इमोजीज का लोग आपसी संवाद में इस्तेमाल करते हैं। यह दुनिया की पहली ऐसी डिजिटल भाषा है, जो इस्तेमाल तो इमेज के रूप में होती है, लेकिन दिमाग में उसके भाव शब्दों के रूप में अर्थ पाते हैं। जून 2018 तक यूनिकोड 1,823 इमोजी को पहचानता था, जिनकी संख्या आज की तारीख में (यूनिकोड वर्जन 15.0 में) बढ़कर 3,664 हो चुकी है। यह चित्रमय भाषा दुनिया को, विशेषकर युवाओं को इस कदर आकर्षित कर रही है कि पिछले तीन सालों में इसका 775 प्रतिशत इस्तेमाल बढ़ा है। एक अनुमान के मुताबिक दुनिया भर में 92 प्रतिशत से ज्यादा मिलेनियल्स यानी, जिनका जन्म 21वीं में हुआ है, इसका प्रयोग करते हैं।

हर एज के लोग करते हैं यूज: 'एप बाय' नामक एक एप ने अपने सर्वे के जरिए यह निष्कर्ष निकाला है कि इंटरनेट का इस्तेमाल करने वाले 78 फीसदी से ज्यादा लोग अपने टेक्स्ट मैसेजों में इमोजी का इस्तेमाल करते हैं। सबसे ज्यादा अपने लिखित संदेशों में इमोजी का इस्तेमाल करने वाले उपभोक्ताओं की उम्र 44 साल से कम होती है। जबकि 45 साल और उसके अधिक उम्र के लोग इनके इस्तेमाल को लेकर थोड़े उदासीन होते हैं, फिर भी 24 फीसदी इस उम्र के लोग भी इनका इस्तेमाल खूब करते हैं। *

{ गजल / डॉ. माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग' }

झूठ के बाजार में

झूठ के बाजार में शाइस्तगी चलती नहीं
चापलूसी होती है पर मुफलिसी चलती नहीं
पेट की खातिर जलाना पड़ता खुद को रात-दिन
इश्क करने से किसी की जिंदगी चलती नहीं
वक्त आ जाए बुरा तो आगे बढ़कर जीस्त में
जूझना पड़ता है हरदम बुजदिली चलती नहीं
लोग मिलते हैं जहां में खुद-परस्ती के लिए
आजकल राहे वफा में दोस्ती चलती नहीं
दूर जाना पड़ता है सबको अकेले एक दिन
आसमां चलता नहीं ये सरजमीं चलती नहीं
शौक से जलता है परवाना शमा के सामने
बेखुदी के हाल में आवारगी चलती नहीं
रंग वो ही पालते हैं, जिनके मन में खोट है
हो खुलूसे दिल अगर तो दुश्मनी चलती नहीं

भाव श्रद्धा का न हो तो बंदगी किस काम की
आस्था के नाम पर दीवानगी चलती नहीं
सहना पड़ता है चमन का दर्द गुल के वास्ते
सिर्फ लफ्फाजी से 'नवरंग' शायरी चलती नहीं

{ पुस्तक चर्चा / सरस्वती रमेश }

स्त्री जीवन की कहानियां

बेटी को भले ही पराया धन माना जाता है लेकिन ब्याह के बाद भी एक बेटी अपने बाबुल को कभी पराया नहीं समझती। ताउम्र वह अपने मायके की खुशहाली के जतन में लगी रहती है। किसी कारणवश ब्याही बेटी को अगर मायके लौटना पड़े तो वह अपने ही घर मे बोझ बन जाती है। जलालत और रोज-रोज का क्लेश उसके जीवन का अंग बन जाता है। कुछ ऐसी ही बेटियों की संवेदनाओं और संघर्षों को बयां करती कहानियों का संग्रह है 'बाबुल और अन्य कहानियां।'

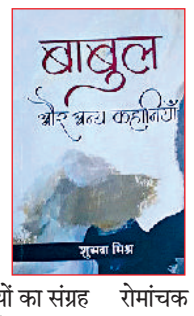

इस संग्रह में कुल दस कहानियां हैं। अधिकतर कहानियों में नायिकाएं बेटियां हैं। ये ऐसी बेटियां हैं, जो ससुराल से मायके में लौटते ही अपनों की आंखों की किरकिरी बन जाती हैं, फिर भी अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं हटती हैं। 'तारनहार', 'बाबुल', 'सजा' ऐसी ही बेटियों की कहानियां हैं। 'सजा' कहानी में नायिका को मिले कष्टों के साथ रिश्तों की बेमानी होने की पीड़ा को भी महसूस कर सकते हैं।

'छलावा' चालीस पार की एक स्त्री के प्रेम में पड़ने की कहानी है। लेखिका ने बड़ी बारीकी से नायिका के एहसासों को उकेरा है। 'कीमत' एक भुतहे घर की कीमत लगने की रोमांचक कहानी है। कहानियों की भाषा सहज-सरल है। यही वजह है कि पाठक इनसे सहज ही जुड़ जाता है। असल में ये ऐसी कहानियां हैं, जिनके कथानक हम अपने घर, परिवार, पड़ोस या रिश्तेदारी में देख सकते हैं। *

पुस्तक: बाबुल और अन्य कहानियां (कहानी संग्रह), **लेखिका:** शुभदा मिश्र, **मूल्य:** 200 रुपए, **प्रकाशक:** वैभव प्रकाशन, रायपुर

{ लघुकथाएं }

अनमोल अमानत

तन्मय बदहवास-सा भागता हुआ रद्दी का सामान लेने वाले मंगतलाल की दुकान पर आया। वह हांफ रहा था। सांसों को संभालते हुए तन्मय बोला, 'मेरे घर से अभी अभी रद्दी लेकर तुम्हीं आए थे ना चाचा। उसमें एक साड़ी थी, बहुत पुरानी। पत्नी ने गलती से रद्दी के सामान के साथ तुम्हें बेच दी है चाचा। उससे बहुत बड़ी भूल हो गई। मैं घर में होता तो बिना जांचे तुम्हें रद्दी का सामान नहीं बेचता। असल में मैं बाजार चला गया था कुछ सामान लाने।'

तन्मय की आवाज में अपनी अमानत को लेकर गहरी चिंता थी।

मंगतलाल किसी की आई हुई रद्दी तौल रहा था। रद्दी तराजू पर चढ़ाते हुए बोला, 'बहुत कीमती साड़ी थी क्या बेटा? उसमें सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था?'

'नहीं सोना-चांदी तो नहीं जड़ा था। तांत की सफेद साड़ी थी। साइड में ब्लू रंग का बॉर्डर था।' तन्मय ने बताया। मंगतलाल कुछ नहीं बोला।

तन्मय ने आतुरता से पूछा, 'हमारे घर से जो रद्दी लाए थे, कहां रखी है आपने चाचा?'

मंगतलाल ने इशारे से बताया, 'वो देखो कोने में रखी हुई है, सफेद वाले बोरे में।' तन्मय तेजी से बोरे के पास गया, उसे खोलकर रद्दी खंगालने लगा। बोरे में नीचे सफेद साड़ी झांक रही थी। तन्मय की खुशी का ठिकाना ना रहा। वह खुशी से बोला, 'मंगत चाचा, मिल गई साड़ी!' मंगतलाल ने साड़ी को हाथ में लेकर देखा। सफेद रंग की साड़ी जगह-जगह से फटी हुई थी। मन ही मन उसने सोचा इसके तो कोई पांच रुपए भी ना देता। मंगतलाल मजाक में बोला, 'बेटा, पांच सौ रुपए लगेंगे इस साड़ी के।'

तन्मय ने झट से बटुए से पांच सौ रुपए का नोट निकाल कर मंगतलाल के हाथ पर रख दिया और बोला, 'चाचा, आपने बहुत कम पैसे इस साड़ी के मांगे हैं। अगर आपने पांच हजार रुपए भी मांगे होते तो मैं खुशी-खुशी दे देता। यह मेरी मां की आखिरी निशानी है।' तन्मय साड़ी लेकर आगे बढ़ने को हुआ तो मंगतलाल ने टोका, 'सुनो बेटा, मैंने अभी बहू को रद्दी के पैसे दिए नहीं हैं। सोचा था दोपहर जाकर दे आऊंगा। यह पांच सौ रुपए का नोट वापस रख लो। बड़ी अजीब बात है, कोई इतनी मामूली चीज के पांच सौ रुपए देने को तैयार है!'

'आपके लिए यह मामूली होगी मंगत चाचा। मेरे लिए तो यह अनमोल अमानत है। मेरी मां की आखिरी निशानी है यह साड़ी।' यह कहते हुए तन्मय की आंखें छलक आई थीं। *

-महेश कुमार केशरी

स्नेह

अमन बहुत दिनों से नोटिस कर रहा था कि उसके घर के पास काम करने वाला एक बुजुर्ग उसे घूरता रहता था। जब भी अमन वहां से गुजरता, वह बुजुर्ग उसे ध्यान से देखता रहता। कभी-कभी तो वह अमन को देखकर मुस्कुरा भी देता। अमन को लगता कि कहीं यह बुजुर्ग कोई चोर-उचक्का तो नहीं है, जो उस पर नजर बनाए हुए है। अवसर पाकर उसको लूट लेगा। लेकिन उसकी उम्र को देखकर नहीं लगता था कि वह ऐसा कुछ करेगा। फिर भी अमन को अजीब-सा डर सताए रहता था।

एक दिन अमन ऑफिस के लिए निकल रहा था। वह बुजुर्ग उसे

फिर दिखाई दे गया। आज भी वह अमन को एकटक देखे जा रहा था। उसने अमन को देखकर हल्की मुस्कान भी छोड़ी। अमन से रहा नहीं गया। वह उस बुजुर्ग के पास गया और कड़े शब्दों में पूछा, 'क्या आप मुझे जानते हैं? मुझे आप यूं घूरते क्यों हैं? आप दिमागी रूप से ठीक हैं ना?'

अमन की बातों को सुनकर बुजुर्ग थोड़ा हड़बड़ा गया। उसे जवाब देते नहीं बन पा रहा था। लेकिन वह बड़ी हिम्मत करके आहिस्ता से बोला, 'बेटा, मैं तो तुम्हें देखकर अपने बेटे को याद कर लेता हूं। वह अब तुम्हारी तरह जवान हो गया होगा। वह बारह साल पहले मुंबई कमाई करने गया था, तब से घर नहीं लौटा। पता नहीं कहां गायब हो गया? मैं यहां अपने गांव से बहुत दूर आकर मजदूरी कर अपना और अपनी पत्नी का किसी तरह पेट पाल रहा हूं। सात साल से घर नहीं गया। तुम्हें देखता हूं तो उसकी याद आ जाती है। तुम्हें देखकर मन को बहला लेता हूं कि वह भी तुम्हारी ही तरह दिखता होगा।' बुजुर्ग की बातें सुनकर अमन की आंखें भीग गईं। उसे अपनी सोच पर पछतावा हुआ। बुजुर्ग की आत्मीयता ने उसे अंदर तक स्नेह से भर दिया। *

-ललित शौर्य

पहचान

यह जनवरी की एक मखमली दोपहर थी। माहौल में शोखियां उरूज पर थीं। प्रदेश की कला अकादमी आज चित्रकार उमा को एक विशेष पुरस्कार से सम्मानित कर रही थी। उमा की सहेलियां तो उससे भी पहले सभा स्थल पर आ गई थीं। आती भी कैसे नहीं, उनकी सहेली उमा के साथ उन्हें भी तो उस समारोह की शोभा बनना था।

जब उमा की वह कलाकृति लगाई गई, जिसके लिए पुरस्कार मिलना था तो उसको देखकर सखियां हतप्रभ रह गईं। सखियों ने एक ही बार में पहचान लिया था कि कलाकृति में जो उदास-हताश बच्चे दिख रहे हैं, वह उमा की पुरानी काम वाली बाई के हैं। उमा ने अपनी कृति में गरीब बच्चों की

पीड़ा को उकेरा था, जिसे देखकर किसी का भी हृदय द्रवित हो सकता था।

तभी समूचा हाल ताली की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उमा को मंच पर बुलाकर सम्मानित किया गया। उसके लिए बधाई और शुभकामनाओं की बरसात होने लगी। लौटते समय एक सहेली ने उमा से कहा, 'लेकिन उमा ये बच्चे तो अब बहुत ही अच्छे एथलीट हैं, स्कॉलरशिप भी पा रहे हैं। इस तरह उनकी अनुमति के बगैर उनका चित्र बनाकर तुमने गलत तो नहीं किया?'

'अरे, जाने दो यार, मेरे टुकड़ों पर पलते थे वे बच्चे। आज वो कौन-सा खुद को पहचान लेंगे।' कहकर उमा ने अपनी अवार्ड ट्रॉफी को गौरव-भाव से चूम लिया। *

-हरीश चंद्र पांडे

लेखक ध्यान दें...

लेखक रविवार भारती में प्रकाशनार्थ अपनी रचनाएं / लेख कृपया ई-मेल आईडी **haribhoomifeaturedep@gmail.com** पर भेजें।

हाल में शुरू हुए इस नए वर्ष में ही नहीं, आने वाले पूरे जीवन में आप खुशहाल रह सकते हैं, स्वस्थ-दीर्घायु भी पा सकते हैं। इसके लिए आपको अपने जीवन को जीने के तरीके में कुछ बदलाव करने होंगे। इस दिशा में प्रसिद्ध जापानी जीवनशैली ईकीगाई बहुत सहायक सिद्ध हो सकती है।

दीर्घायु-खुशहाल जीवन का जापानी तरीका ईकीगाई

{ जीवनशैली / शिखर चंद जैन }

इस दुनिया में हम सभी स्वस्थ दीर्घायु और खुशहाल जीवन चाहते हैं। वास्तव में ये दोनों ही एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं। सेहत विज्ञानियों के अनुसार, जो लोग जिंदादिल और खुशहाल होते हैं, वे दीर्घायु भी होते हैं। लेकिन इनको हासिल करने के लिए आपकी मददगार हो सकती है जापानी जीवनशैली का अहम भाग, ईकीगाई। इस जापानी शब्द का मतलब है-मकसद। जी हां, जापानी जीवनशैली के अनुसार, अगर आपने अपने जीने का उद्देश्य या मकसद ढूंढ़ लिया, तो आप दूसरे लोगों की तुलना में दीर्घायु और खुशहाल होंगे। लंबी आयु के मामले में जापान के लोग दुनिया भर में जाने जाते हैं और वे इस बात पर पूरी गंभीरता से अमल भी करते हैं। आप भी इस वर्ष से अपने जीवन में ईकीगाई को शामिल कर सकते हैं।

हो चुके हैं कई अध्ययन

हजारों जापानी वयस्कों पर किए गए अध्ययन से पता चला है कि जिन लोगों ने अपने जीने का मकसद तय कर लिया है या जानते हैं, उनकी जिंदगी में तनाव कम होता है। इसी वजह से उनकी आयु लंबी होती है। ये सारे लोग जापान के ओकिनावा द्वीप के रहने वाले थे। अमेरिका में हुए एक अन्य अध्ययन में भी पाया गया कि जिन लोगों ने अपनी जीने का मकसद जान और समझ लिया, उनमें बिना लक्ष्य के जीने वालों की तुलना में मृत्यु का जोखिम 15 फीसदी तक कम होता है। माउंट सिनी सेंट ल्यूक एवं माउंट सिनाई रूजवेल्ट के शोधकर्ताओं ने अपने गहन अध्ययन के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि जीने का मकसद स्पष्ट रूप से समझने वालों की मृत्यु में अन्य सभी कारणों से 23 फीसदी और हार्ट डिजीज या स्ट्रोक से मृत्यु की 19 फीसदी संभावना कम हो जाती है। अध्ययन के मुखिया रैंडी कोहेन कहते हैं, 'जीने का उद्देश्य जानने और मृत्यु से सुरक्षा पाने के बीच बड़ा गहरा संबंध है। कनाडा की कार्लेटन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दीर्घ आयु पर अध्ययन करते हुए पाया कि जिन लोगों ने अपने जीवन की दिशा तय कर रखी है और लक्ष्य निर्धारित कर रखे हैं, वे लंबी आयु पाते हैं। भले ही यह लक्ष्य अधेड़ अवस्था में ही क्यों न तय किया गया हो। 'साइकोलॉजिकल साइंस' में प्रकाशित इस अध्ययन के मुखिया पैट्रिक हिल हैं। अमेरिका स्थित शिकागो की रश यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर द्वारा किए गए एक अन्य अध्ययन के नतीजे में जीवन के उद्देश्य निर्धारण से ओल्ड एज में होन वाली अल्जाइमर्स डिजीज से मस्तिष्क की सुरक्षा की दिशा में फायदेमंद बताया गया है।

मकसद निर्धारण का फायदा

प्लानिंग करने और आने वाले समय में हासिल करने के लिए तय किए गए लक्ष्य को हासिल करने की जद्दोजहद आपके दिमाग को व्यस्त रखती हैं। साथ ही आपके तन को एक्टिव और फिट रखती है। इससे आप चिंताओं में उलझकर मानसिक रूप से परेशान होने या आलस्य के वशीभूत होने से बच जाते हैं। ये दोनों ही बातें, तन-मन की सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। जब हम सुबह किसी काम को करने के उत्साह और लगन से उठते हैं तो हमारा मन प्रसन्न रहता है और लक्ष्य हासिल करने के लिए हम जल्दी-जल्दी एक के बाद एक काम निपटाते चले जाते हैं।

ऐसे तय करें लक्ष्य

अपनी जिंदगी का मकसद तय करने के लिए आपको खुद से कुछ सवाल पूछने होंगे और ईमानदारी से उनका जवाब देना होगा। जैसे-

मुझे क्या करना अच्छा लगता है : यहां आपको अपना सबसे खास शौक जानना होगा। ये शौक एक या उससे अधिक भी हो सकते हैं। इन्हें आप कभी ना छोड़ें, बशर्ते ये अच्छे, सकारात्मक और रचनात्मक हों। हर अच्छा शौक आपको कोई ना कोई फायदा जरूर देता है, चाहे वो तन को दुरुस्त रखता हो या मन को सुकून देता है। आप चाहे जितने व्यस्त रहें लेकिन इन्हें पूरा करने के लिए डेली या वीकली अपना कुछ वक्त जरूर दें।

मैं क्या अच्छा कर सकता हूं: यह आपके बिजनेस या पेशे से संबंधित होता है। आप किस काम को अच्छी तरह कर सकते हैं और किस काम को करने में आपकी अधिक दिलचस्पी है, यह आपको जरूर मालूम होना चाहिए। अगर आप अपनी क्षमता, दिलचस्पी से संबंधित काम करेंगे तो आपको हर दिन कुछ ना कुछ जरूर हासिल होगा, जिससे आपका उत्साह बना रहेगा, जिससे आपकी सफलता के चांसेज भी बढ़ेंगे।

लोग मुझसे क्या चाहते हैं: इस सवाल का जवाब देते समय उन लोगों के बारे में सोचें, जो आपके लिए वास्तव में महत्व रखते हैं। इनमें दो तरह के लोग होंगे- पहले, वे जो आपको शिद्दत से चाहते हैं। आप हमेशा उनका साथ और खुशी चाहते हैं। दूसरे तरह के लोग, जिनसे आपको फाइनेंशियल फायदा होता है। इससे आपको अपने दैनिक कामों और क्रियाकलापों को तय करने की दिशा भी मिलेगी, उन्हें करने में मजा भी आएगा। ये दोनों ही स्थितियां आपको उत्साह और प्रसन्नता देने वाली होंगी। इन्हीं 3 सवालों और उनके जवाबों में आपके जीने का मकसद छिपा है। *

ये भी हो सकते हैं लक्ष्य

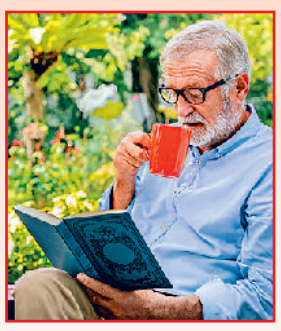

- अपने बच्चों को सही ढंग से पाल-पोस कर बड़ा करना।
- डेली कोई अच्छी-सी किताब पढ़ना। चाहे वह हेल्थ बुक हो, आध्यात्मिक पुस्तक हो, कहानियों की किताब हो।
- दिन भर काम करने के बाद शाम को पसंदीदा टीवी प्रोग्राम देखना या दोस्तों के साथ गपशप करना।
- किसी के प्रति आभार व्यक्त करना, जो कल आपके काम आया था या आपकी मदद की थी।
- अपनी मां, बहन, पत्नी, पति या किसी अन्य निकट संबंधी के लिए कुछ स्पेशल करना है। उनके साथ खुशी बांटनी है। *

{ धर्म-संस्कृति / आर.सी.शर्मा }

धार्मिक-स्वास्थ्य की दृष्टि से

बहुत महत्वपूर्ण है पौष माह

हिंदू पंचांग के मुताबिक पौष मास या पूस का महीना मार्गशीर्ष या अगहन महीने की पूर्णिमा के अगले दिन से शुरू होता है। यह हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। 27 दिसंबर 2023 से शुरू होकर यह माह 25 जनवरी 2024 को खत्म होगा। इस महीने की पूर्णिमा को चंद्रमा पुष्य नक्षत्र में होता है, इसलिए इस महीने का नाम पौष रखा गया है। इस महीने का जितना धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है, उससे कहीं ज्यादा इसका सेहत के नजरिए से भी महत्व है।

सूर्यदेव को समर्पित माह: धार्मिक दृष्टि से देखा जाए तो यह महीना भगवान सूर्य को समर्पित है। इस वजह से इस महीने में सूर्यदेव की पूजा करने पर सबसे ज्यादा महत्व है। सूर्य की पूजा से बहुत शुभ फल मिलते हैं। पूरे पौष माह नियमित रूप से सूर्यदेव को जल चढ़ाने से ना सिर्फ घर में संपन्नता आती है, बल्कि मान-सम्मान में भी वृद्धि होती है। धार्मिक विधान के मुताबिक पौष माह में हर रविवार को सूर्यदेव का व्रत रखना चाहिए। उन्हें अर्घ्य देकर तिल, चावल और खिचड़ी का भोग लगाना चाहिए। स्नान, ध्यान के बाद नियमित रूप से सूर्य भगवान की पूजा और सूर्य मंत्र का जाप करना चाहिए। सनातन धर्म में सूर्य को प्रधान देवता माना गया है। ग्रंथों के मुताबिक पौष माह में सूर्य के भग स्वरूप की पूजा करनी चाहिए। शास्त्रों के मुताबिक धर्म, यश, श्री, ज्ञान, ऐश्वर्य और वैराग्य को भग कहते हैं। इनसे युक्त को ही भगवान माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस माह जो व्यक्ति प्रतिदिन सूर्यदेव को अर्घ्य देता है और उनकी उपासना करता है, उन्हें ज्ञान, सुख और समृद्धि की प्राप्ति होती है। पौष माह में पूजा, पाठ और जप तप करने से आरोग्यता की प्राप्ति होती है।

बहुत कुछ है पौष माह में खास : पौष माह श्राद्धकर्म और पिंडदान के लिए भी उत्तम माना जाता है। माना जाता है कि इस माह में पैदा होने वाले लोग बुद्धिमान, धनवान, शूरवीर और कठोर होते हैं। इस महीने को छोटा पितृ पक्ष भी कहते हैं। मान्यता के मुताबिक पितृ पक्ष की तरह इस माह भी पूर्वजों के लिए खास पूजा की जाती है। लेकिन इस महीने गृहप्रवेश या विवाह जैसे धार्मिक समारोह नहीं करने चाहिए।

स्वास्थ्य की दृष्टि से अहम: स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह महीना बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस महीने में मिलने वाली सूर्य की हल्की गरमाहट भरी धूप से शरीर को भरपूर विटामिन डी मिलती है। आयुर्वेद के मुताबिक पौष मास में ब्रह्म मुहूर्त में जगने से शरीर में वात, पित और कफ का संतुलन बना रहता है। हम चुस्त, दुरुस्त और तरोताजा महसूस करते हैं। इस मौसम में जठराग्नि तेज होती है, इसलिए डायटीशियन भी इस मौसम में गेहूं, तिल और गुड़ से बनी चीजों के खाने की सलाह देते हैं। इस मौसम में तांबे के बर्तन में रखा पानी पीया जाए तो शरीर में धातुओं का बैंलेस बना रहता है। हम सब जानते हैं कि सूर्य की किरणें ना सिर्फ हमें जीवन देती हैं, बल्कि रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती हैं और सूर्य की किरणें सबसे गुणकारी इसी माह में होती हैं। लेकिन इस महीने बैंगन, मूली, फूलगोभी और उड़द-मसूर की दालों का सेवन नहीं करना चाहिए। *

होती है मोक्ष की प्राप्ति

इस माह की पूर्णिमा का भी विशेष महत्व होता है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसलिए पौष पूर्णिमा के दिन पवित्र नदियों में स्नान और सूर्यदेव को अर्घ्य देने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक पौष पूर्णिमा पर काशी या त्रिवेणी के संगम में स्नान और दान किया जाए तो अक्षय पुण्य फल की प्राप्ति होती है। पौष माह की पूर्णिमा के दिन पवित्र जल में स्नान करने से वही पुण्य लाभ मिलता है, जो पूरे महीने की पूजा पाठ से मिलता है। धन और संतान देने वाला माना गया है। *

{ विज्ञान-तकनीक/ संजय श्रीवास्तव }

इस साल और बढ़ेगी

भारत की ख्याति

विगत वर्ष के ठोस आधार पर इस साल विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में देश बहुत कुछ नवनिर्माण करेगा और शोध विकास में आगे बढ़ेगा। इस साल भारत की संभावित उपलब्धियों पर एक नजर।

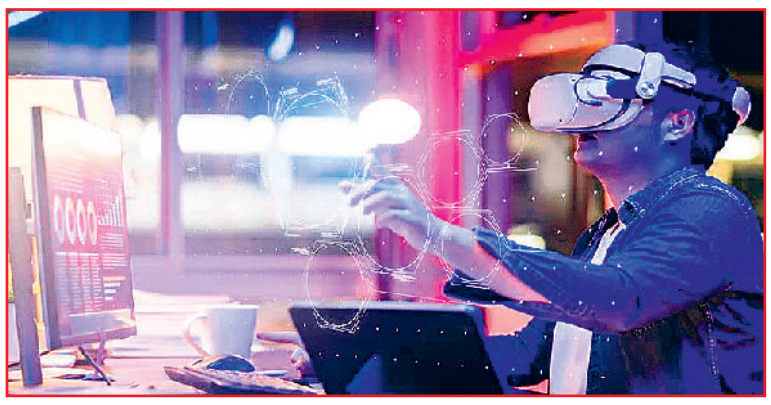

विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगामी सालों में देश को जो ढेरों उम्मीदें हैं, इसमें से कई के इसी साल पूरी होने की आशा है। वजह है, पिछले वर्षों में देश का इस क्षेत्र में किया गया शानदार प्रदर्शन। सकारात्मक सरकारी रुझान और कुछ विकसित देशों से हुए महत्वपूर्ण समझौतों के साथ हमारे वैज्ञानिकों, तकनीकविदों, संबंधित संस्थानों की उत्कृष्ट प्रतिबद्धता। पिछले बरस जिन परियोजनाओं की शुरुआत हुई थी, इस साल संभव है कि उनको अमली जामा पहना दिया जाए।

एआई में आएगा बहुत कुछ नया: एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमता का क्षेत्र सबसे ऊपर रहने वाला है। इस क्षेत्र में पिछले कुछ बरसों से भारत बेहतरीन प्रदर्शन कर रहा है। इस साल 2024 में वह ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जीपीएआई की अध्यक्षता करेगा। संभव है कि इस बार कोई बेहद चौंकाने वाली चीजें सामने आएं। फिलहाल चैट जीपीटी का विकल्प बनने का ही नहीं, उससे कई गुना आगे निकलने वाले 12 भारतीय सहित 120 भाषाओं में इसका प्रदर्शन संभव है।

6जी में होंगे सबसे आगे: इंटरनेट के क्षेत्र में 5जी के बाद उम्मीद है कि साल के आखिर तक अब 6जी तकनीक भी लांच हो जाएगी। यदि यह संभव हुआ तो हम इस मामले में जापान को पीछे छोड़ देंगे। यही नहीं हम दक्षिण कोरिया, चीन और फिनलैंड से भी आगे होंगे, जो 6जी की अभी तैयारी कर रहे हैं। बेशक यह एक बड़े बदलाव का वाहक बनेगा।

इसरो के कई प्रोजेक्ट्स होंगे पूरे: इसरो इसी साल अपने अति महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट गगनयान को लांच करेगा। निर्णायक प्रक्षेपणपूर्व वह कुछ परीक्षण करेगा, सुरक्षा उपायों को परखेगा। इसके अलावा इसरो इस साल लगभग 10 महत्वपूर्ण मिशन लांच करने वाला है और कुछ उल्लेखनीय तकनीक विकसित कर विश्वपटल पर अपना नाम दर्ज कराएगा। बीते बरस इसरो ने कहा था कि अंतरिक्षीय मिशन में महत्वपूर्ण तकनीक प्रणाली ईसीएलएसएस वह खुद विकसित करेगा। अब तक वह केवल रॉकेट और उपग्रह बनाता रहा था, उसे उम्मीद थी कि विदेशों से हुए कई समन्वयकारी समझौतों के तहत इसकी तकनीक हासिल करके वह इसे अपने वहां बना लेगा, लेकिन जब कई दौर की बातचीत के बावजूद कोई राजी ना हुआ तो उसने इसे अपने स्तर पर विकसित करने का फैसला लिया। इस बरस इसका विकास इस क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। उम्मीद है आज या कल में आदित्य एल-1 अपने मुकाम यानी धरती से 15 लाख किमी. दूर लैग्रेंज प्वाइंट पर पहुंच जाएगा। यह उसकी एक और बड़ी उपलब्धि साबित होगी।

इस साल इसरो अपने द्वारा विकसित पीएसएलवी, जीएसएलवी और एलबीएम-3 के जरिए उपग्रहों को प्रक्षेपित करेगा। एसएसएलवी की तीसरी विकास उड़ान पर गगनयान कार्यक्रम के तहत दो मानव रहित मिशन के अलावा वह इनसैट 3डीएस, एक्स-रे, पोलरीमीटर और दूसरे महत्वपूर्ण उपग्रह भी लांच करेगा। साल के आखिर में शुक्रयान की तैयारी है तो मध्य में मंगलयान-2 की। गगनयान मिशन में मानव सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, इंजीनियरिंग प्रणालियों और मानव केंद्रित प्रणालियों सहित

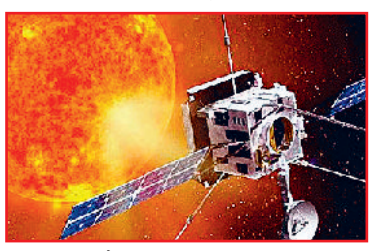

विभिन्न नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के परिणाम इसी साल दिखेंगे। विभिन्न स्थितियों के तहत गगनयान क्रू एस्केप सिस्टम के लिए एक परीक्षण वाहन का उपयोग करने वाले कई उप-कक्षीय मिशनों की भी योजना इस वर्ष लागू होगी।

महाराष्ट्र के हिंगोली में एलआईजीओ-इंडिया नाम से जो लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी विकसित किया जाना शुरू किया गया है, जो ब्लैकहोल और न्यूट्रन स्टार जैसे विशाल खगोल भौतिकी वस्तुओं के विलय के दौरान उत्पन्न गुरुत्वाकर्षण तरंगों की पहचान करने में सक्षम है। उसमें इस बरस उल्लेखनीय प्रगति दिख सकती है।

कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में तरक्की: इस बरस कई वजहों से साइबर सुरक्षा बड़ी चिंता होगी, इसलिए ब्लॉकचेन तकनीक में प्रगति लाजिमी है। स्मार्ट सिटी की परियोजनाएं इस बरस भी पूरी नहीं होंगी, लेकिन क्रिप्टोग्राफी, पदार्थ विज्ञान में क्रांति करने में समर्थ क्वांटम कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजी में इस बरस महत्वपूर्ण प्रगति दिखेगी। इसी साल मेटावर्स का तेजी से विस्तार हो सकता है। कुछ विश्लेषक कहते हैं कि मार्क जुकरबर्ग 2024 में मेटावर्स को विस्तार देंगे तो इसका असर भारत में भी दिखेगा।

विज्ञान महोत्सवों का होगा आयोजन : छात्रों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, उद्योग के पेशेवरों, उद्यमियों तथा विज्ञान संप्रेषकों जैसे व्यक्तियों के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव का 9वां संस्करण 17 से 20 जनवरी 2024 तक हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित होगा। कुल मिलाकर विज्ञान-तकनीक क्षेत्र का परिदृश्य इस वर्ष उत्साहवर्धक रहने वाला है। *

अंडरग्राउंड सिटी कूबर पेडी

{ रोचक }

ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसा शहर मौजूद है, जो जमीन के नीचे बसा हुआ है। कूबर पेडी नाम के इस शहर को दुनियाभर में अंडरग्राउंड सिटी के नाम से भी जाना जाता है।

कूबर पेडी शहर के बसने के पीछे बड़ी रोचक कहानी है। दरअसल, इसके बसने की शुरुआत आज से करीब 110 साल पहले हुई थी। जहां आज यह शहर मौजूद है, वहां बेशकीमती ओपल जेमस्टोन काफी मात्रा में पाए जाते थे। बता दें, ओपल जेमस्टोन एक महंगा रत्न होता है, जिसे अंगूठी में लगाकर पहना जाता है। इस शहर को 'ओपल कैपिटल ऑफ द वर्ल्ड' के नाम से भी जाना जाता है। इस पाताललोक शहर में स्वीमिंग पूल, पब और होटल जैसी सभी सुविधाएं मौजूद हैं और यहां गोल्फ कोर्स और म्यूजियम भी हैं। यहां कई फिल्मों की शूटिंग भी की जा चुकी है। मीडिया रिपोर्ट की माने तो, इस शहर के करीब दो हजार लोग अंडरग्राउंड घरों में ही रहते हैं।

कूबर पेडी रेतीली और चट्टानी जगह है और यहां के मौसम का मिजाज तेजी से बदलता रहता है। रेगिस्तान में होने की वजह से यहां का तापमान सामान्य से बहुत अधिक रहता है। तेज गर्मी से खुद को बचाने के लिए यहां के लोग उन गड्ढों में घर बनाकर रहते हैं, जो ओपल जेमस्टोन के खनन की वजह से बन गए थे। धरातल से नीचे होने की वजह से इन गड्ढों में बने घरों में तापमान कम होता है। इसकी वजह से यहां रहने वाले लोगों को गर्मी से बचने के लिए कूलर, पंखे और एसी की जरूरत नहीं पड़ती है। यहां बने हाइब्रिड एनर्जी पावर प्लांट से शहर की 70 फीसदी पावर की जरूरत पूरी होती है। बड़ी संख्या में देश-विदेश के लोग इस शहर को देखने के लिए आते हैं। *

-हरीशचंद्र पांडे

{ बड़ा पर्दा / हेमंत पाल }

अगर आप फिल्मों के शौकीन हैं तो अपनी फेवरेट फिल्म या हीरो का कोई ना कोई डायलॉग जरूर याद होगा। ब्लैक एंड व्हाइट के जमाने से लेकर हाल के दशकों तक की कई फिल्मों के ऐसे पॉपुलर डायलॉग्स हैं, जिन्हें लोग आज भी नहीं भूल पाए हैं।

आज भी हैं लोगों को याद पॉपुलर फिल्मी डायलॉग

समाज को सिनेमा बहुत ज्यादा प्रभावित करता है। यह तथ्य अच्छे और बुरे दोनों संदर्भों में है और भाषा के संबंध में भी। सिनेमा में प्रयुक्त हर शब्द और संवाद का अपना अलग असर होता है। अगर समाज में किसी शब्द, वाक्य या विचार को चलन में लाना है, तो उसका फिल्म में प्रयोग करके उसको लोकप्रिय बनाया जा सकता है। ऐसे कई शब्द और संवाद हैं, जो सिर्फ सिनेमा की वजह से चलन में आए। आशय यह कि सिनेमा के संवादों की भाषा के प्रभाव को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वास्तव में जीवन में हम सिनेमा की भाषा से पात्रों के व्यवहार को समझते हैं और दृश्यों से कथानक को। फिल्म देखने के बाद तो कई संवाद हमारी बोल चाल का हिस्सा तक बन जाते हैं। कुछ फिल्मों के संवाद फिल्म इतिहास में बहुत ज्यादा चर्चित हुए हैं। फिल्म के कुछ संवाद लोगों की जुबान पर ऐसे चढ़ गए, जैसे उन्हीं के लिए लिखे गए हों।

'शोले' का फेमस डायलॉग- 'कितने आदमी थे?'

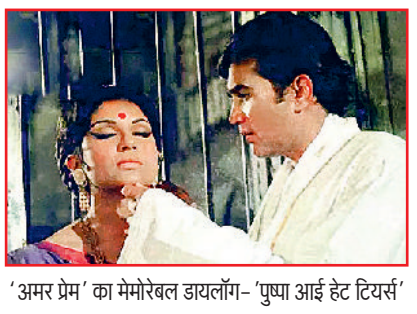

'अमर प्रेम' का मेमोरेबल डायलॉग- 'पुष्पा आई हेट टियर्स'

पुराने दौर से जारी है सिलसिला: इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि कहानी किसी भी फिल्म की जान होती है। कहानी ही फिल्म में रंग भी भरती है। लेकिन उसी कहानी में अगर सटीक और प्रभावी संवादों का सहारा मिल जाए तो फिल्म की पहचान सालों तक बनी रहती है। हालांकि अब फिल्मों में याद रह जाने लायक संवाद कम ही सुनाई देते हैं। आजादी से पहले जरूर कुछ फिल्में सिर्फ संवादों की वजह से ही चर्चित हुई थीं। सोहराब मोदी की 'पुकार' और 'सिकंदर' ऐसी ही फिल्में थीं। बीआर चोपड़ा की 'कानून' और 'इंसाफ का तराजू' में संवादों से ही कानून की कमियों को उभारा गया।

'मुगले आजम' में पृथ्वीराज

डायलॉग्स से मिली फिल्मों को पहचान: कुछ फिल्में तो सिर्फ उनके संवादों के कारण ही आजतक याद की जाती हैं। ऐसी फिल्मों में 'मुगले आजम', 'शोले', 'दीवार' सबसे प्रमुख हैं। पृथ्वीराज कपूर द्वारा 'मुगले आजम' में बोला गया संवाद 'सलीम की मोहब्बत तुम्हें मरने नहीं देगी और हम तुम्हें जीने नहीं देंगे।' इसी तरह 'शोले' का डायलॉग 'तेरा क्या होगा कालिया!' और 'कितने आदमी थे?' और इसी तरह 'दीवार' का डायलॉग 'मेरे पास मां है।' ऐसे संवाद हैं, जिनको सुनते ही पूरी फिल्म याद आ जाती है। सहजता से बोले गए इन संवादों ने फिल्मों को कालजयी बनाने में खास योगदान दिया।

'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी

ये डायलॉग्स भी हुए पॉपुलर: अमिताभ बच्चन का फिल्म 'डॉन' का संवाद 'डॉन का इंतजार तो ग्यारह मुल्कों की पुलिस कर रही है, लेकिन डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है।' आज भी सुनाई देता है, तो आंखों के सामने अमिताभ का शातिर चरित्र घूम जाता है। शत्रुघ्न सिन्हा जब अपने करियर के शिखर पर थे, तब 'कालीचरण' और 'विश्वनाथ' के संवाद गली-गली में सुनाई देते थे और भी उनकी पहचान बने हुए हैं।

डायलॉग्स ने बना दी इमेज: संवादों का जोरदार असर तभी अच्छा होता है, जब उसे उसी शिद्दत से बोलने वाला एक्टर भी मिले। तभी हर संवाद चरित्र की पहचान से जुड़ता भी है। राजकुमार, शत्रुघ्न सिन्हा और नाना पाटेकर के संवादों में अकड़ की झलक देखी गई है। लेकिन, राजकुमार के 'पाकीजा' में बोले गए उनके एक संवाद ने उनकी पहचान ही बदल दी थी। वो संवाद था 'आपके पैर देखे, बहुत हसीन हैं। इन्हें जमीन पर मत उतारिएगा मैले हो जाएंगे।' इसी तरह रोमांटिक हीरो राजेश खन्ना का 'अमर प्रेम' का संवाद 'पुष्पा, आई हेट टियर्स।' लोग भूले नहीं हैं।

विलेन के पॉपुलर डायलॉग: अजित, प्रेम चोपड़ा और अमरीश पुरी के बोले हर संवाद में क्रूरता का अंदाज झलकता था। प्रेम चोपड़ा का 'बॉबी' में बोला गया संवाद कितना सहज है 'प्रेम नाम है मेरा, प्रेम चोपड़ा।' लेकिन उनकी अदायगी की क्रूरता ने इसे यादगार बना दिया। 'कालीचरण' में अजित का संवाद 'सारा शहर मुझे लॉयन के नाम से जानता है' और 'मिस्टर इंडिया' में अमरीश पुरी का 'मोगैंबो खुश हुआ।' भी अपने अंदाज की वजह से यादगार बना हुआ है। *